संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
13 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 170
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पंचकूला में आयुर्वेद महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ, पहले दिन उमड़ी भारी भीड़—राज्यपाल बोले, "आयुर्वेद भविष्य की वैश्विक चिकित्सा"

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़ द्वारा स्कूली छात्रों के लिए वित्तीय धोखाधड़ी पर जागरूकता कार्यक्रम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय, ट्राइसिटी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में छात्रों के लिए सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं और शिकायत निवारण पर लक्षित जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने जा रहा है। कार्यक्रम 15 दिसंबर से 19 दिसंबर, 2025 तक आयोजित किए जाएंगे और इन्हें आरबीआई अधिकारियों और साइबर-सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया जाएगा।

इन सत्रों का उद्देश्य युवा छात्रों को वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान और खासकर साइबर स्वच्छता पर विशेष जोर के साथउसे रोकने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। छात्रों को सामान्य ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डेटा उल्लंघनों, गोपनीयता की चिंताओं, जेन-जी उपयोगकर्ताओं को होने वाले जोखिमों, साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले तरीकों, डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ सुरक्षा उपायों, और भारतीय रिजर्व बैंक के शिकायत निवारण ढांचे और ग्राहक संरक्षण उपायों के बारे में संवेदनशील बनाया जाएगा।

इस कार्यक्रम की योजना भारतीय रिजर्व बैंक चंडीगढ़ कार्यालय द्वारा बढ़ते खतरे, साइबर धोखाधड़ी और युवा वयस्कों को सुरक्षित साइबर आचरण के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में बनाई गई है। यह पहल 'RBI कहता है जानकार बनिए, सतर्क रहिए' अभियान से प्रेरित है।

रुपया बुरी तरह टूटा, सर्वकालिक निचले स्तर पर, 1 डॉलर की कीमत 90.56 रुपये

मुबई : रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा।

अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.43 पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.56 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया बृहस्पतिवार को 38 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.37 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 170.40 अंक चढ़कर 84,988.53 अंक पर जबकि निफ्टी 98.40 अंक की बढ़त के साथ 25,996.95 अंक पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.69 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,020.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

राहुल गांधी का लोकसभा में प्रश्न- दिल्ली की जहरीली हवा पर सरकार कब जागेगी?

नई दिल्ली- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के वायु प्रदूषण की चपेट में आने का विषय शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा कराने के साथ इस समस्या से निपटने के लिए एक योजना सामने रखनी चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह विषय कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में उठा था और सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया।

उन्होंने कहा कि हमारे ज्यादातर बड़े शहरों पर जहरीली हवा की चादर पसरी हुई है, बच्चों को सांस लेने की दिक्कत होती है...लोगों को कैंसर जैसी बीमारियां हो रही है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सभी सहमत होंगे। संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराई जाए और उसमें आरोप-प्रत्यारोप के बजाय समस्या पर अंकुश लगाने के लिए समाधान को लेकर बात हो। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक योजना पेश करनी चाहिए।

तीन चिकित्सकों और मौलवी को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, अब तक 8 गिरफ्तारियां

नई दिल्ली: लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट के मामले में गिरफ्तार किए गए 3 चिकित्सकों और एक मौलवी को दिल्ली की एक कोर्ट ने शुक्रवार को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में एक अन्य आरोपी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को भी पेश किया गया, ताकि उसकी आवाज के नमूने की प्रामाणिकता सुनिश्चित की जा सके।

चार आरोपी- डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ अदील राथर, डॉ शहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे को उनकी 4 दिन की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) हिरासत अवधि समाप्त होने पर अदालत के समक्ष पेश किया गया। पटियाला हाउस जिला कोर्ट परिसर के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच जारी कार्यवाही को कवर करने से मीडियाकर्मियों को रोक दिया गया था।

इस मामले में एनआईए ने अब तक आठ गिरफ्तारियां की हैं, जिनका संबंध जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए एक 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल से है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले का रहने वाला डॉ. बिलाल नसीर मल्ला इस मामले में गिरफ्तार किया गया 8वां आरोपी है। एनआईए ने नौ दिसंबर को उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया था और उसे इस साजिश का मुख्य आरोपी बताया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 दिसंबर को पंचकूला में करेंगे अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अटल पार्क में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि 24 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह पंचकूला के एमडीसी सेक्टर-1 स्थित अटल पार्क में श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके अलावा वे पंचकूला में आयोजित अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज अटल पार्क में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहनलाल बड़ौली भी उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि अटल जी की धातु से बनी 41 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद श्री अमित शाह अटल पार्क में ही आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे प्रदेश भाजपा कार्यालय 'पंचकमल' में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके उपरांत गृह मंत्री श्री अमित शाह ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम, सेक्टर-3 में आयोजित 5 हजार पुलिस कर्मियों की पासिंग आउट परेड की सलामी लेंगे। श्री अमित शाह इसी दिन आयोजित होने वाले 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम में भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

संसद में कांग्रेस पार्टी द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष मुद्दाविहीन हो चुका है और कांग्रेस पार्टी झूठ बोलकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। लेकिन अब जनता उनके

बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने वाली बातें कर रहे हैं। आने वाले 40-50 वर्षों तक कांग्रेस का देश में कोई भविष्य नहीं है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है। इस संबंध में पुलिस को सख्त निर्देश जारी किए जा चुके हैं और पुलिस पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है। किसी व्यक्ति को सुरक्षा प्रदान करनी है या नहीं, इसका आकलन पुलिस विभाग द्वारा किया जाता है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। इस कार्य में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हाल ही में हरियाणा में आयुष्मान/चिरायु योजना के तहत विशेष अभियान चलाकर सर्जरी से संबंधित लंबित मामलों को शून्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सकों की समस्याएँ सुनती है और उनके समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चिकित्सकों को अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिए जा रहे हैं।

ठंडी हवाओं ने पंजाब-हरियाणा में बढ़ाई कंपकंपी, हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट जारी

नई दिल्ली- पंजाब एवं हरियाणा में ठिठुरन बनी हुई है जबकि हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। पंजाब एवं हरियाणा दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम था।

मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है जबकि लुधियाना में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, पटियाला में 6.9 डिग्री सेल्सियस, पठानकोट में 6.6 डिग्री सेल्सियस और बठिंडा में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रहा।

विभाग ने बताया कि फरीदकोट और गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान क्रमशः 5.2 डिग्री सेल्सियस और 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने बताया कि हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि हिसार में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री रहा।

इसी तरह करनाल में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि नारनौल में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग ने बताया कि रोहतक में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस, भिवानी में 8.5 डिग्री सेल्सियस और सिरसा में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने वाले एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण सप्ताहांत में हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल एवं स्पीति के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि हिमाचल के अन्य नौ जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। लाहौल और चंबा के ऊंचे इलाकों में 17, 18 और 19 दिसंबर को बहुत हल्की बर्फबारी होने की भी संभावना है।

जांच में बड़ा मोड़, SIT के आरोपपत्र में 4 लोगों पर हत्या का लगाया गया आरोप

गुवाहाटी : गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को गुवाहाटी की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा समेत 4 लोगों पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया।

आरोपियों में शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत भी शामिल हैं। श्यामकानु महंत सिंगापुर में आयोजित किए गए उत्तर पूर्व भारत महोत्सव का मुख्य आयोजक था। कार्यक्रम में गर्ग ने भाग लिया था।

महोत्सव में 19 सितंबर को समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में गर्ग की मौत हो गई थी। वकीलों ने बताया कि गर्ग के चचेरे भाई व असम पुलिस के निलंबित अधिकारी संदीपन गर्ग पर सुबह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल किए गए 3,500 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है।

शर्मा गायक का सचिव था, जबकि शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत गर्ग के बैंड के सदस्य थे। वकीलों ने बताया कि गायक के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य को बीएनएस की धारा 31सी के तहत आरोपी बनाया गया है। इस धारा का संबंध निजी सुरक्षा अधिकारियों को सौंपे गए धन या संपत्ति का दुरुपयोग करके आपराधिक विश्वासघात करने से है। असम सरकार ने गर्ग की मौत की जांच के लिए विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एम पी गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था।

एयरलाइन में गड़बड़ियों पर एक्सपर्ट नजर, इंडिगो ने शुरू की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन

नई दिल्ली: व्यापक परिचालन संकट का सामना करने वाली एयरलाइन इंडिगो के निदेशक मंडल ने इन व्यवधानों के मूल कारणों का पता लगाने के लिए शुक्रवार को एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ की नियुक्ति की घोषणा की।

विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि चीफ एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी परिचालन में आए व्यवधान और इसके लिए जिम्मेदार कारकों की स्वतंत्र विशेषज्ञ समीक्षा एवं आकलन करेगी। इसका नेतृत्व अनुभवी विमानन विशेषज्ञ कैप्टन जॉन इल्सन कर रहे हैं।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के निदेशक मंडल ने दो दिसंबर से शुरू हुए परिचालन व्यवधानों को देखते हुए एक संकट प्रबंधन समूह का गठन हाल ही में किया है। बयान के अनुसार, स्वतंत्र विमानन विशेषज्ञ जल्द से जल्द समीक्षा शुरू करेंगे और निदेशक मंडल को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेंगे।

इसमें कहा गया कि इसका मकसद हाल ही में उत्पन्न हुए परिचालन संबंधी व्यवधान के स्वतंत्र मूल कारणों का विश्लेषण करना और सुधार के अवसरों की पहचान करना है। एक सप्ताह से अधिक समय तक चले व्यवधानों की वजह से इंडिगो को करीब 5,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ी और सैकड़ों एयरलाइन देर से रवाना हुईं।

मुख्यमंत्री ने पंजाब को निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए यू.के. से रणनीतिक गठजोड़ की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब और ब्रिटेन (यू.के.) के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की वकालत करते हुए कहा कि पंजाब को निवेश और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

चंडीगढ़ में यू.के. हाई कमीशन की डिप्टी हाई कमिश्नर एल्बा समैरिग्लियो के नेतृत्व में आए उच्च-स्तरीय शिष्टमंडल के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यापारिक भागीदारी को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भगवंत सिंह मान ने मोहाली को विश्व स्तर पर बेहतर ढंग से संगठित शहरों में से एक बताया और कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उभरने के लिए पंजाब में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब के विद्यार्थी सुरक्षित और कानूनी तरीकों से यू.के. में अवसर तलाशने के इच्छुक हैं और इस दिशा में राज्य सरकार हर संभव सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने गैंगस्टरों जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात

करते हुए कहा कि ऐसे मामले सीमाओं से परे होते हैं और पंजाब सरकार न्यायिक प्रक्रियाओं तथा आवश्यक कानूनी सहायता में यू.के. के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

उन्होंने यू.के. की कंपनियों का स्वागत करते हुए पंजाब को निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में बसे प्रवासी पंजाबी समुदाय ने अपनी क्षमता व प्रतिभा से विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने निवेश के प्रमुख क्षेत्रों—कृषि मशीनरी, खाद्य प्रसंस्करण, आई.टी. सहित अन्य सेक्टरों—की पहचान भी करवाई।

मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल को बताया कि पंजाब का मजबूत निवेश इकोसिस्टम वाजिब बिजली दरें, विकसित सुविधाएँ और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। राज्य कारोबार सरलता से करने में पहले स्थान पर है तथा सिंगल विंडो सिस्टम पारदर्शी रूप से सेवाएँ उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पंजाब राइट टू बिज़नेस एक्ट लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। मुख्यमंत्री ने शिष्टमंडल को मार्च माह में मोहाली में आयोजित होने वाले प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन (पी पी आई एस) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने पंजाब को "अवसरों की भूमि" बताते हुए कहा कि विश्व-प्रसिद्ध कंपनियाँ यहाँ अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं, जो राज्य की मजबूत कानून-व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि नज़दीकी भविष्य में मोहाली "दुनिया की अगली सिलिकॉन वैली" के रूप में उभरेगा, क्योंकि यहाँ निवेश की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।

63 किमी लंबी भानुपल्ली–बिलासपुर–बेरी नई रेल लाइन हेतु 6,753 करोड़ मंजूर

बिलासपुर–मनाली–लेह रणनीतिक रेल लाइन: 489 किमी लंबी परियोजना में 270 किमी सुरंगें, लागत 1.31 लाख करोड़

नई दिल्ली: भानुपल्ली–बिलासपुर–बेरी (63 किमी) नई रेल लाइन परियोजना को लागत-साझाकरण के आधार पर स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें केंद्र सरकार की 75% तथा हिमाचल प्रदेश सरकार की 25% हिस्सेदारी निर्धारित है। इसके अतिरिक्त, परियोजना से संबंधित भूमि अधिग्रहण की 70 करोड़ रुपये से अधिक की लागत हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वहन की जाएगी। परियोजना का विस्तृत अनुमान 6,753 करोड़ रुपये की लागत पर स्वीकृत किया गया था, जिसमें 1,617 करोड़ रुपये भूमि लागत के रूप में शामिल है।

इस परियोजना के लिए हिमाचल प्रदेश में कुल 124 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसके मुकाबले राज्य सरकार ने केवल 82 हेक्टेयर भूमि ही उपलब्ध कराई है। उपलब्ध भूमि पर कार्य प्रारंभ किया जा चुका है, जबकि बिलासपुर से बेरी तक की भूमि अभी तक राज्य सरकार द्वारा हस्तांतरित नहीं की गई है। भूमि की अनुपलब्धता के कारण परियोजना की प्रगति पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

परियोजना पर अब तक कुल 5,252 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। लागत-साझाकरण समझौते के अनुसार, हिमाचल प्रदेश सरकार को

2,711 करोड़ रुपये का योगदान करना था, किंतु अब तक केवल 847 करोड़ रुपये ही जमा किए गए हैं। इस प्रकार, राज्य सरकार के ऊपर 1,863 करोड़ रुपये की राशि अभी भी बकाया है। अपने हिस्से की राशि समय पर उपलब्ध न कराने से परियोजना की गति प्रभावित हुई है।

राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रतिबद्धताओं को पूर्ण रूप से पूरा न करने के कारण परियोजना की प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई है। परियोजना को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाने हेतु राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग की अत्यंत आवश्यकता है।

भारत सरकार इस परियोजना को शीघ्रता से क्रियान्वित करने के लिए पूर्णतः तत्पर है, किन्तु इसकी सफलता हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने पर निर्भर करती है।

हिमाचल प्रदेश राज्य में पूर्णतः या आंशिक रूप से आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2009–14 के दौरान इन परियोजनाओं पर औसतन 108 करोड़ प्रति वर्ष व्यय किया जाता था। इसके विपरीत, वर्ष 2025–26 में इन कार्यों के लिए बजट बढ़ाकर 2,716 करोड़ कर दिया गया है, जो पूर्व आवंटन की तुलना में 25 गुना से अधिक वृद्धि को दर्शाता है।

हिमाचल प्रदेश में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए, नांगल बांध - ऊना - अंदौरा- दौलतपुर चौक (60 किमी) खंड का नांगल बांध - तलवारा - मुकेरियां नई लाइन परियोजना का कार्य शुरू कर दिया गया है। दौलतपुर चौक - करतोली पंजाब - तलवारा (52 किमी) खंड का कार्य भी शुरू हो गया है। इसके अलावा, चंडीगढ़-बद्दी नई लाइन (28 किमी) का कार्य भी 1540 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया है।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में रेल संपर्क को बेहतर बनाने के लिए, बद्दी-घानाउली नई लाइन (25 किमी) का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

बिलासपुर-मनाली-लेह नई पाइपलाइन को रक्षा मंत्रालय द्वारा रणनीतिक पाइपलाइन के रूप में चिह्नित किया गया है। सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। यह परियोजना हिमालय के दुर्गम भूभाग से होकर गुजरती है, जो भूवैज्ञानिक आश्चर्यों और अनेक समस्याओं से भरा हुआ है। परियोजना की कुल लंबाई 489 किलोमीटर है, जिसमें 270 किलोमीटर लंबी सुरंगें भी शामिल हैं। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना की अनुमानित लागत 1,31,000 करोड़ है।

किसी भी रेलवे परियोजना की स्वीकृति अनेक मापदंडों और कारकों के विस्तृत आकलन पर निर्भर करती है, जिनमें प्रस्तावित मार्ग के संभावित यातायात का अनुमान, लाभप्रदता का विश्लेषण, प्रथम और अंतिम मील कनेक्टिविटी, छूटी हुई कड़ियों को जोड़ना, भीड़भाड़ वाली या संतृप्त लाइनों का विस्तार, तथा राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, रेलवे की परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ, सामाजिक-आर्थिक विचार, तथा निधियों की समग्र उपलब्धता भी परियोजना स्वीकृति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वहीं, किसी स्वीकृत रेलवे परियोजना के पूर्ण होने की प्रक्रिया कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे—राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण, वन कटाई की अनुमति, उल्लंघनकारी उपयोगिताओं का स्थानांतरण, विभिन्न अधिकारियों से वैधानिक स्वीकृतियाँ, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियाँ, परियोजना स्थल के आसपास की कानून-व्यवस्था की स्थिति, तथा परियोजना क्षेत्र में एक वर्ष में काम करने योग्य महीनों की संख्या।

ये सभी तत्व मिलकर रेलवे परियोजनाओं की प्रगति और समयबद्ध निष्पादन को सीधे प्रभावित करते हैं। यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी।

राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

कुलदीप पठानियां ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष शिव राज सिंह पाटिल के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिव राज सिंह पाटिल के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। अपने शोक सन्देश में पठानियां ने कहा कि शिव राज पाटिल कांग्रेस के कद्दावर नेता थे तथा महाराष्ट्र राज्य के बड़े नेताओं में शूमार थे। पठानियां ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मजबुती तथा संगठन को नई ऊर्जा व ताकत देने में उनकी भूमिका सदैव अविस्मरणीय रहेगी। पठानियां ने कहा कि कई दशकों तक उनका मार्गदर्शन तथा नेतृत्व कांग्रेस पार्टी को मिलता रहा जिससे उनके समय में कांग्रेस पार्टी तथा संगठन महाराष्ट्र व देश में मजबुती के साथ आगे बढ़ते रहे। उन्होने कहा कि शिव राज पाटिल भारतीय राजनीति के उन नेताओं में से हैं जिन्होंने पाँच दशकों से अधिक समय तक देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाई। वे अपनी शांत, सुसंस्कृत और गरिमामयी छवि के लिए जाने जाते थे। लोकसभा अध्यक्ष, केन्द्रीय गृहमंत्री, राज्यपाल और वरिष्ठ संसदीय नेता के रूप में उनका राजनीतिक सफर भारतीय राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। पठानियां ने शोक संतप्त परिवार तथा उनके चाहने वालों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है तथा दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

टी-20 क्रिकेट मैच के दृष्टिगत एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में मॉक ड्रिल का आयोजन

विभिन्न एजेंसियों सहित एनसीसी कैडेट्स तथा आपदा मित्रों ने लिया भाग

धर्मशाला। को एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला में 14 दिसंबर 2025 को आयोजित किये जाने वाले आगामी टी-20 क्रिकेट मैच के दृष्टिगत एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह टी-20 मैच भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका के बीच खेना जाना है। इसके चलते देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और गणमान्य अतिथि भी इस दौरान धर्मशाला का दौरा करेंगे।

इसी संभावित भीड़ और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आज एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आगजनी एवं भगदड़ की स्थिति पर आधारित एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन जिला प्रशासन कांगड़ा द्वारा किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। मॉक ड्रिल में सभी संबद्ध विभागों एवं एजेंसियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल में फायर सर्विस विभाग, होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, जिला पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं एम्बुलेंस सेवाएं, अन्य सहायक एजेंसियां शामिल हुई। इसके साथ ही स्कूलों, कॉलेजों के एनसीसी कैडेट्स तथा आपदा मित्रों ने भी मॉक ड्रिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतिभागियों ने स्टेडियम में आग लगने की स्थिति, घायल व्यक्तियों की निकासी, भीड़ नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, और स्टेडियम के विभिन्न द्वारों से सुरक्षित निकास प्रक्रियाओं का अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल के दौरान टीमों के बीच समन्वय, प्रतिक्रिया क्षमता, संसाधनों के त्वरित उपयोग एवं वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने की तत्परता का सफल प्रदर्शन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की गई ताकि मैच के दौरान किसी भी आपदा या आकस्मिक स्थिति में सुरक्षा और व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके।

20 दिसंबर तक करें धर्मशाला मैराथन के लिए पंजीकरण

● फुल मैराथन विजेता को एक लाख का इनाम और पोडियम पर जगह

धर्मशाला। एथलेटिक मैदान, धर्मशाला से 25 दिसंबर को आयोजित होने वाली धर्मशाला मैराथन ऑनलाइन पंजीकरण 20 दिसंबर तक किया जा सकता है। यह जानकारी नगर निगम धर्मशाला के आयुक्त जफर इकबाल ने आज यहां देते हुए कहा कि यह आयोजन खेल, स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल-पर्यटन को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित यह मैराथन क्षेत्र में एक बड़ा खेल आयोजन बनने जा रही है। आयुक्त ने कहा कि इस मैराथन को भविष्य में नगर का प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला कैलेंडर इवेंट बनाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि हर वर्ष 25 दिसंबर को धर्मशाला एक बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन का केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में देश-विदेश से धावकों की भागीदारी की अपेक्षा है, जिससे क्षेत्र में खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। फिटनेस प्रेमी, छात्र-छात्राएँ, युवा, वरिष्ठ नागरिक सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होंने अपील की कि इस मैराथन में बढ़-चढ़ कर भाग लें। उन्होंने बताया कि पंजीकरण www.dharamshala-marathon.com vkSj www.dharamshalas-martcity.com पर किया जा सकता है। आयुक्त ने बताया कि प्रतिभागियों के लिए कुल 15 लाख रुपये का पुरस्कार पूल रखा गया है, जो इसे क्षेत्र की सबसे प्रतिष्ठित दौड़ बनाता है। फुल मैराथन (42 किमी) के विजेता को एक लाख रुपये पुरस्कार प्रदान किया जायेगा और विजेता को पोडियम पर धर्मशाला मैराथन-2025 के प्रथम विजेता होने का गौरव भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि ओपन कैटेगरी हॉफ मैराथन (21 किलोमीटर) के विजेता को 51 हजार रुपये, 10 किलोमीटर के विजेता को 21 हजार रुपये, 5 किलोमीटर के विजेता को 5 हजार रुपये तथा 3 किलोमीटर के विजेता को 3 हजार रुपये की ईनामी राशि प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के जुड़ने से यह मैराथन न केवल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाएगी, बल्कि धर्मशाला की पहचान को एक प्रमुख खेल नगरी के रूप में भी स्थापित करेगी।

संयुक्त अरब अमीरात में डिलीवरी राइडर्स का साक्षात्कार 16 दिसम्बर को: क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी

धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एचपीएस ईडीसी) हिमाचल प्रदेश द्वारा संयुक्त अरब अमीरात में डिलीवरी राइडर्स (बाइक राइडर) की रिक्तीयों के लिए जेएसडीसी के माध्यम से भर्तियाँ की जा रही हैं। अत: जिन आवेदकों ने इन पदों हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है उन सभी आवेदकों को सूचित किया जाता है कि 16 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे राजकीय तकनीकी शिक्षण संस्थान (आईटीटाई) दाड़ी में अपने ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट व अन्य दस्तावेजों सहित पहुँच कर साक्षात्कार में भाग लें सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 82880-71000, 01892-224892 पर संपर्क भी कर सकते हैं। इस साक्षात्कार के सम्बन्ध में यात्रा व अन्य देय नहीं होगा।

जिला प्रशासन ने शाहपुर क्षेत्र में निर्धारित मार्गों को नो पार्किंग जोन घोषित किया

धर्मशाला। जिला दंडाधिकारी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 39 मील शाहपुर से अस्पताल रोड शाहपुर तक का मार्ग और रेहलू चैक, मुख्य बाजार शाहपुर से मिनी सचिवालय शाहपुर तक के मार्ग को प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से सायं 6 बजे तक के लिऐ नो पार्किंग जोन घोषित किया है। जिलाधीश ने बताया कि यह निर्णय क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए लिया गया है ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके।

जनजातीय सलाहकार परिषद् की 50वीं बैठक आयोजित

● सरकार के सतत प्रयासों से समृद्धि और सम्पन्नता की नई तस्वीर: मुख्यमंत्री ● जनजातीय क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास: प्रति व्यक्ति आय और सामाजिक सूचकांकों में अव्वल

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश जनजातीय सलाहकार परिषद् की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में परिवहन क्षेत्र के माध्यम से आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए बस और ट्रेवलर वाहनों की खरीद पर पात्र युवाओं को 40 प्रतिशत तक सब्सिडी तथा सड़क कर पर चार माह की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित करने को विशेष अधिमान दे रही है। जनजातीय इलाकों में सौर ऊर्जा क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के लिए सरकार निजी क्षेत्र में 250 किलोवाट से एक मेगावाट तक की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए ब्याज उपदान प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बर्फबारी वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि मार्च-अप्रैल माह में स्थिति सामान्य होने पर निर्माण कार्य आरम्भ कर उन्हें शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि पांगी और स्पीति में विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के स्थाई समाधान के लिए पांगी के धनवास में 1.2 मेगावाट तथा स्पीति के रोंगटोंग में 2 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्रों को शीघ्र ही कार्यशील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कैलाश मानसरोवर यात्रा शिपकी-ला से शुरू करने के लिए प्रयासरत है और इस मामले को केन्द्र सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया है। चीन अधिकृत तिब्बत में भी व्यापारिक गतिविधियां शुरू करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। आज जनजातीय क्षेत्र दूसरे भागों से अधिक सम्पन्न और समृद्ध है। हमारे जनजातीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति आय का औसत प्रदेश के अन्य जिलों से अधिक है। इन क्षेत्रों में न केवल आर्थिक सम्पन्नता है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी ये क्षेत्र प्रदेश में अग्रणी हैं। इन क्षेत्रों में जन्म के समय लिंगानुपात प्रदेश के अन्य भागों से अच्छा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगुल सरी में सड़क अक्सर बाधित होती है, वहां नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। किन्नौर जिला में लोगों को निर्बाध सम्पर्क सुविधा प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा दृढ़ प्रयास किए जा रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों में नौतोड़ स्वीकृत करने की मांग प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इस पर राज्य मंत्रिमंडल ने स्वीकृति प्रदान कर राज्यपाल के अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भेजा है। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वनवासी अधिनियम-2006 के तहत सितम्बर, 2025 तक 1,039 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। जनजातीय क्षेत्र किन्नौर और स्पीति के लोगों की सुविधा के लिए रामपुर में जनजातीय भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। नूरपुर जनजातीय भवन शीघ्र ही लोगों की सुविधा के लिए समर्पित किया जाएगा।

पांगी घाटी को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों को अधिमान देते हुए फरवरी, 2024 को, स्पीति से इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख-सम्मान निधि योजना आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में समुचित शैक्षणिक संस्थान, दो क्षेत्रीय अस्पताल, 6 नागरिक अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 46 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 3 आयुर्वेदिक अस्पताल, 73 आयुर्वेदिक डिस्पेंसरियां, 48 पशु चिकित्सालय, 118 पशु औषधालय, 5 भेड़ एवं ऊन प्रजनन विस्तार केन्द्र स्थापित हैं। जनजातीय क्षेत्रों में 3,148 किलोमीटर मोटर योग्य सड़कों का निर्माण किया जा चुका है, जिनमें से 61 प्रतिशत पक्की सड़कें हैं। बैठक में जनजातीय क्षेत्रों के विकास से सम्बन्धित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में विकास के मामले में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम 2025-26 के लिए 638.73 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पूर्व सरकार के कार्यकाल में भूमि सम्बन्धी समस्याओं के कारण एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) पांगी, भरमौर एवं लाहौल में नए परिसरों के निर्माण कार्य लम्बित थे। इन तीन विद्यालयों के लिए भूमि स्थानांतरित की गई है। पांगी और लाहौल के विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि भरमौर के लिए इस विद्यालय की निर्माण सम्बन्धी औपचारिकताएं सीपीडब्ल्यूडी द्वारा पूरी की जा रही हैं। ईएमआरएस निचार में भी अतिरिक्त आवास का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, विधायक डॉ. जनकराज, अनुराधा राणा, विवेक शर्मा, सुदर्शन बबलू और हरदीप बावा, जनजातीय सलाहकार परिषद् के गैर सरकारी सदस्य, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत तथा ओंकार चन्द शर्मा, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, विभिन्न विभागों के सचिव और विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नशा निवारण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन के सौजन्य से गत दिवस राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सोलन में नशा निवारण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी सोलन डॉ. अमित रंजन तलवार ने दी। डॉ. अमित रंजन तलवार ने कहा कि युवाओं में नशे का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए चुनौती बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का नशा स्वास्थ के लिए हानिकारक होता है, वह चाहे फिर बीडी, सिगरेट, तम्बाकू, शराब, भांग, गांजा, अफीम, चिट्टा व अन्य मादक पदार्थ हो। उन्होंने कहा कि नशे से कैंसर, सांस का रोग, दिल की बीमारी, फेफड़ों के रोग, कमजोर हडिड्यां इत्यादि रोगों का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि नशे में लिप्त बच्चों की पहचान करना आवश्यक है ताकि उनका शीघ्र उपचार हो सके। किसी भी कार्य में एकाग्रता बनाए रखने में असमर्थता, निरंतर हाथों एवं शरीर में कंपन, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, दोस्तों एवं परिवार से दूरी, जीवन के प्रति नकारात्मक सोच, अत्याधिक विनम्र या आक्रामक होना, चोरी करना तथा गुम-सुम रहना इसके लक्षण हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह कि उक्त किसी भी लक्षण को समझें और शीघ्र उपचार आरम्भ करवाएं।

डॉ. अमित रंजन तलवार ने युवाओं से आग्रह किया कि नशे को न कहना सीखें, नशा करने वालों से दूर रहें, रचनात्मक कार्य व खेलकूद गतिविधियों में भाग लें, अभिभावक बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताएं, खान-पान व जीवनशैली में सुधार करें, नशे के लिए किसी भी दोस्त व सहकर्मी के दबाव में न आएं। उन्होंने कहा कि नशा एक क्षणिक सुख है, युवा इससे दूर रहें और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में कार्य करते रहें। इस अवसर पर बी.सी.सी. समन्वयक राधा चौहान एवं स्वास्थ्य शिक्षिका पदमिनी नेगी सहित राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सोलन के प्रधानाचार्य जरनेल सिंह, अध्यापक व छात्र उपस्थित थे।

के.के. पंत ने जियोडेटिक एसेट्स रजिस्टर और जियोडेटिक मैप का विमोचन किया

शिमला। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व के.के. पंत ने आज यहां भू-स्थानिक निदेशालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के निदेशक गौरव कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत हिमाचल प्रदेश के जियोडेटिक रजिस्टर और जियोडेटिक मैप का विमोचन किया। प्रदेश के जियोडेटिक अधोसंरचना को इस रजिस्टर में छः श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (कन्टीन्यूस ऑप्रेटिंग रैफ्रेंस स्टेशनज), ग्रेट ट्रिग्नोमैट्रिक सर्वे स्टेशनज, ग्राउंड कन्ट्रोल प्वायंट्स, मैग्नेटिक रैफ्रेंस स्टेशनज, ग्रैविटी रैफ्रेंस स्टेशनज और लैवलिंग बैंच मार्क शामिल हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि जियोडेटिक रजिस्टर के अलावा हिमाचल प्रदेश के जियोडेटिक एसेट्स मानचित्र को तैयार किया गया है जिसमें प्रदेश के एसेट्स के बारे में बताया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक स्थितियों के दृष्टिगत जियोडेटिक एसेट्स रजिस्टर और मैप की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। हिमाचल प्रदेश आपदा के दृष्टिगत एक संवेदनशील राज्य है। यह रजिस्टर और मैप प्रभावशाली आपदा न्यूनीकरण योजनाएं बनाने में सहायक साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण अनुकूल अधोसंरचना के निर्माण को प्राथमिकता प्रदान कर रही है। इसके दृष्टिगत यह रजिस्टर पर्यावरण अनुकूल और सुनियोजित अधोसंरचना निर्माण में भी मददगार साबित होंगे। प्रदेश में वैज्ञानिक अनुसंधान और योजना क्षेत्र में भी यह मील पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राजस्व विभाग द्वारा आधुनिक तकनीकों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। राजस्व क्षेत्र में लोगों को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में गांव के नक्शे, भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं। भू-नक्शा और स्वामित्व परियोजनाओं में भी इस सुविधा का उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष सचिव डी.सी. राणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनका निधन आज सुबह महाराष्ट्र के लातूर में हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवराज पाटिल एक महान सांसद और प्रखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि शिवराज पाटिल ने अलग-अलग पदों पर रहते हुए देश सेवा की और अपना सम्पूर्ण जीवन लोगों की भलाई के लिए समर्पित किया। उन्होंने पार्टी में अलग-अलग पदों पर रहते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

स्वास्थ्य खंड महाकाल में भरे जाएंगे आशा कार्यकर्ताओं के पद: सीएमओ

धर्मशाला। स्वास्थ्य विभाग कांगड़ा द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं के पद भरे जा रहे हैं जिसके लिए 20 दिसम्बर, 2025 शाम 5 बजे तक आवेदन किया जा सकता है। ये जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विवेक करोल ने बताया की स्वास्थ्य खंड महाकाल में 6 (ग्राम पंचायत स्वर में गांव जुधार, ग्राम पंचायत पोलिंग के गांव अंद्राली माभ और खरी मल्लाह, ग्राम पंचायत लिवाई के गांव लावइ और रोपरु, ग्राम पंचायत बड़ाग्रां के गांव रे गूंधा, ग्राम पंचायत बड़ा भंगाल के गांव बड़ा भंगाल) में भरे जाने हैं। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन खंड चिकित्सा अधिकारी महाकाल के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। आवेदन करने वाली महिला उसी वार्ड अथवा पंचायत की स्थाई निवासी हो, शादीशुदा, विधवा, तलाकशुदा, अलग रह रही महिला को वरीयता दी जाएगी। आवेदक की उम्र 25 से 45 साल के बीच हो। आवेदक अपना आधार कार्ड, आठवीं का प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, अपनी दो पासपोर्ट साइज फोटो, कैटेगरी प्रमाण पत्र, स्थाई निवासी प्रमाण पत्र आवेदन के साथ सलंगन करें। अधिक जानकारी के लिए संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 286वें दिन पंजाब पुलिस ने 863 ग्राम हेरोइन सहित 68 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत राज्य से नशों का पूरी तरह खात्मा करने के लिए चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरुद्ध" अभियान के 286वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 305 स्थानों पर छापेमारी की। इसके बाद पूरे राज्य में 53 एफआईआर दर्ज कर 68 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 286 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 40,187 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 863 ग्राम हेरोइन, 352 नशीली गोलियाँ और 810 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज़ को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हुए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध लड़ाई की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5-सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी बनाई है।

इस ऑपरेशन के दौरान 65 गज़टेड अधिकारियों की देखरेख में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 305 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 327 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन- लागू की है। इस रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 40 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार लेने के लिए तैयार किया है।

राज्य चुनाव आयोग ने ज़िला परिषद और पंचायती समितियों के चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करवाने हेतु आइ.ए.एस./ वरिष्ठ पी.सी.एस. अधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में 14.12.2025 को होने जा रहे ज़िला परिषद और पंचायती समितियों के आम चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए राज्य चुनाव आयोग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संबंध में आयोग द्वारा सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

आयोग द्वारा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि सभी ज़िलों में आइ.ए.एस./ वरिष्ठ पी.सी.एस. अधिकारियों को 'चुनाव पर्यवेक्षक' नियुक्त किया गया है, जो आज से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक (अर्थात् मतगणना और परिणाम घोषित होने तक) अपने-अपने ज़िले में मौजूद रहेंगे और आवश्यकता अनुसार राज्य चुनाव आयोग को इन चुनावों संबंधी सूचित करते रहेंगे। इन नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षकों का विवरण राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट (https://sec.punjab.gov.in) पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, आयोग ने राज्य के विभिन्न ज़िलों (पटियाला, संगरूर, बरनाला, तरन तारन, रूपनगर, जालंधर, कपूरथला और मोगा) में चुनाव प्रक्रिया के दौरान क़ानून-व्यवस्था की स्थिति पर नज़र रखने के लिए 6 वरिष्ठ आइ.पी.एस. अधिकारियों को 'पुलिस पर्यवेक्षक' के रूप में नियुक्त किया है, जिनका विवरण संबंधित डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों में उपलब्ध है। यदि किसी उम्मीदवार को आवश्यकता महसूस हो तो वह उनसे संपर्क कर सकता है।

पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा पंजाब के पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज पाटिल ने लगन और समर्पण के साथ देश की सेवा की तथा सार्वजनिक सेवा में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

स्पीकर संधवां ने कहा कि पंजाब के पूर्व राज्यपाल के निधन की खबर सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को इस कठिन घड़ी में अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का 13 दिसंबर को होगा पंचकूला, कालका में आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अजय कुमार घनघस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (DLSA), पंचकूला ने बताया कि माननीय सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (HALSA), श्री जगदीप सिंह लोहान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 13.12.2025 को जिला न्यायालय, पंचकूला, साथ ही उप-मंडल न्यायालय, कालका में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए एक मंच प्रदान करना और त्वरित, लागत प्रभावी और जन-अनुकूल न्याय वितरण को बढ़ावा देना है।

लोक अदालत के सुचारू और प्रभावी संचालन के लिए, पंचकूला, कालका, स्थायी लोक अदालत (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं) और उपभोक्ता न्यायालय, पंचकूला सहित विभिन्न स्थानों पर 10 बेंचों का गठन किया गया है। ये बेंचें सौहार्दपूर्ण माहौल में पक्षों के बीच निपटारे की सुविधा के लिए, मुकदमे से पहले और लंबित मामलों सहित विभिन्न प्रकार के मामलों को लेंगी। आपराधिक समझौता योग्य मामले, दीवानी विवाद, राजस्व मामले, MACT (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) मामले, बैंक वसूली मामले, चेक बाउंस मामले, पारिवारिक विवाद, और सभी श्रेणियों के ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले संबंधित बेंचों के समक्ष सूचीबद्ध किए जाएंगे।

जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला और उपायुक्त कार्यालय परिसर दोनों जगहों पर एक समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जिसका संचालन प्रशिक्षित पैरा-लीगल स्वयंसेवकों (PLV) द्वारा किया जाएगा। ये PLV मुकदमों और आम जनता को कोर्ट रूम, केस लिस्टिंग, प्रक्रियात्मक सहायता, और राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित किसी भी प्रश्न के बारे में मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने जिले भर में आयोजित पिछले आउटरीच कार्यक्रमों और कानूनी जागरूकता शिविरों के दौरान जागरूकता पैदा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चालान शाखा प्रभारी, सेक्टर-12 ट्रैफिक पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय लोक अदालत विशेष रूप से वर्ष 2018 से 2024 (अक्टूबर 2024 तक) के ऑनलाइन ट्रैफिक चालानों पर विचार करेगी। ऑनलाइन चालानों के अलावा, जब्त किए गए वाहनों के चालान और नशे में ड्राइविंग के चालानों पर भी बेंचों द्वारा विचार किया जाएगा। इस विशेष पहल से बड़ी संख्या में नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है जो अपने लंबित चालानों को सुविधाजनक, समयबद्ध और परेशानी मुक्त तरीके से निपटाना चाहते हैं। व्यापक जागरूकता और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, पंचकूला में बड़े पैमाने पर प्रचार अभियान चलाए जा रहे हैं। नेशनल लोक अदालत के बारे में जानकारी शहर की प्रमुख जगहों पर लगी LED स्क्रीन पर दिखाई जा रही है, जिससे तारीख, जगह और निपटाए जाने वाले मामलों की प्रकृति से संबंधित जानकारी तुरंत लोगों तक पहुँच रही है।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन ने 11 दिनों में पार किए 1,048 केस, दिन-11 की कार्रवाई में दर्ज हुए 94 नए एफआईआर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के ग्यारहवें दिन उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। यह 15 दिवसीय राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' का विस्तार है, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थ तस्करी, संगठित आपराधिक नेटवर्क, अवैध शराब वितरण, साइबर धोखाधड़ी और फरार अपराधियों की गतिविधियों से जुड़े उच्च-जोखिम अपराध क्षेत्रों की पहचान और उन्हें निष्क्रिय करना है। ग्यारहवें दिन भी पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों में समन्वित, सघन और केंद्रित अभियान जारी रखते हुए अपनी फील्ड उपस्थिति को और मजबूत किया।

11 दिसंबर को पुलिस इकाइयों ने राज्यभर में चिन्हित 797 हॉटस्पॉट्स पर कार्रवाई की, जो अभियान की रणनीति और पैमाने के अनुरूप रही। दिन की गतिविधियों में कुल 94 नए आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें नौ मामले आर्म्स एक्ट के तहत हैं, और 197 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में 44 फरार अपराधी और 10 व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए। दिन-11 के परिणाम पिछले 11 दिनों की संचयी प्रगति के अनुरूप रहे। 1 दिसंबर से अब तक पुलिस ने हरियाणा भर में 7,947 हॉटस्पॉट्स की जांच की है, जिनमें 1,048 आपराधिक मामले दर्ज किए गए और 2,226 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 374 फरार अपराधी शामिल हैं, जबकि 89 मामले आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। हिंसक अपराधियों के 29 पासपोर्ट रद्द करने के प्रस्ताव भी भेजे गए हैं और 582 खुफिया इनपुट पड़ोसी राज्यों के साथ साझा किए गए हैं ताकि अंतरराज्यीय अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

पिछले 11 दिनों के दौरान हुई जब्तियां इस अभियान के पैमाने को दर्शाती हैं। अब तक 77 किलोग्राम से अधिक अफीम की भूसी, 1.477 किलोग्राम हेरोइन और 31 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। इसके अलावा 29,561 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई है और 19,35,439 की संदिग्ध अवैध नकदी भी कब्जे में ली गई है। जिला-स्तरीय कार्रवाइयों ने अभियान के बहुआयामी दृष्टिकोण को रेखांकित किया है — जैसे सोनीपत में मिलावटी खाद्य उत्पादों की जब्ती से लेकर नूंह में साइबर धोखाधड़ी के नेटवर्क का पता लगाने तक।

संचालन के स्तर पर, दिन-11 के दौरान सात हिंसक अपराधियों के पासपोर्ट रद्द करने के प्रस्ताव तैयार किए गए और एक 'लुक-आउट सर्कुलर' भी जारी किया गया ताकि अंतरराज्यीय फरारी को रोका जा सके। राज्यों के बीच समन्वय लगातार जारी रहा, जिससे कुल 582 कार्रवाई योग्य रिपोर्ट साझा की जा चुकी हैं। जिला स्तर पर गुरुग्राम पुलिस ने 58 महत्वपूर्ण स्थलों की जांच की, 20 मामले दर्ज किए और 40 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनमें सात हिंसक अपराधों से जुड़े आरोपी शामिल हैं। सोनीपत पुलिस ने ग्यारह दिनों में 450 लीटर मिलावटी 'वीटा घी' और संबंधित अवैध आय बरामद की। अंबाला जिले में आठ गिरफ्तारियां हुईं — जिनमें चार हिंसक अपराधों के आरोपी थे — और तीन वाहन जब्त किए गए जो अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल होने की आशंका है। कैथल जिले ने दिन-11 पर मजबूत प्रदर्शन करते हुए 21 गिरफ्तारियां कीं, जिनमें 10 फरार अपराधी शामिल थे, जिससे वह सबसे सक्रिय जिलों में शामिल हुआ। पिछले ग्यारह दिनों में गुरुग्राम ने सबसे अधिक फरार हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी दर्ज की है।

दिन-11 की कार्रवाई में महत्वपूर्ण मात्रा में मादक पदार्थ भी बरामद किए गए — जिनमें 6.8 किलोग्राम गांजा, 66.15 ग्राम हेरोइन, 11 ग्राम स्मैक, 2 किलोग्राम अफीम की भूसी और 200 ग्राम अफीम शामिल है। शराब बरामदगी में 96 बोतल अंग्रेजी शराब, 733 बोतल देशी शराब और 95 लीटर अवैध रूप से तैयार की गई शराब शामिल है। नूंह में मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी जब्त किए गए जो संदिग्ध साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े पाए गए।

1 दिसंबर से अब तक जिला पुलिस टीमों ने 6,446 जरूरतमंद व्यक्तियों की मदद की है। कुल 62 गन हाउसों का निरीक्षण किया गया है और जहां अनियमितताएं मिलीं, वहां नोटिस जारी किए गए हैं। समानांतर जांचें भी दिन-11 पर आगे बढ़ीं। पंचकूला की डिटेक्टिव शाखा ने एक अंतरराज्यीय शराब तस्करी गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अम्बाला छावनी के सेक्टर 33 में 100 बिस्तरों का ईएसआईसी आधुनिक अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि हुई अलॉट - श्रम मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा 100 बिस्तरों का अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा और इस बारे में गत दिवस हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा भूमि आवंटन पत्र जारी कर दिया गया है। श्री विज ने बताया कि यह आधुनिक अस्पताल अम्बाला छावनी के सेक्टर 33 में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल के स्थापित होने से अम्बाला सहित आसपास के जिलों के हजारों श्रमिकों व उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो पाएंगी।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक को भूमि आवंटन का पत्र जारी कर दिया है। इसके पश्चात् ईएसआईसी द्वारा भूमि भुगतान कर अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

साहा औद्योगिक क्षेत्र व आसपास के क्षेत्रों में कार्यरत बीमित कामगारों को मिलेगा सीधा लाभ- विज

श्रम मंत्री ने कहा कि अंबाला छावनी व साहा औद्योगिक क्षेत्र अंबाला छावनी सेक्टर-33 के साथ ही स्थित है, जहाँ हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। इन सभी बीमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इस अस्पताल से सीधा लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने इस परियोजना को अंबाला छावनी और आसपास के क्षेत्रों और समीपवर्ती जिलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए पिछले काफी समय से लगातार केंद्र सरकार और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए हुए हैं। इस अस्पताल की स्थापना अंबाला के बीमित समुदाय के लिए बेहतर, समयबद्ध और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनाव; पोलिंग बूथ के 200 मीटर के भीतर अलग-अलग पाबंदियां लागू

हिन्द जनपथ
जालंधर (ब्यूरो)। अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट-कम-अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमनिंदर कौर ने भारतीय चुनाव संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, ताकि राज्य चुनाव आयोग, पंजाब द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के दौरान शांति, आसानी से और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चुनाव वाले दिन 14 दिसंबर, 2025 को जालंधर ज़िले में होने वाले ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के लिए बनाए पोलिंग बूथ के 200 मीटर के अंदर अलग-अलग पाबंदियां लगाई गई है।

अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशों के तहत लगाई गई पाबंदियों के अनुसार, कोई भी उम्मीदवार या उसका समर्थक पोलिंग बूथ या पब्लिक/प्राइवेट जगहों पर प्रचार नहीं करेगा और कोई भी व्यक्ति पोलिंग बूथ के पास शोर या हंगामा नहीं करेगा। इसके अलावा, कोई भी व्यक्ति पोलिंग बूथ के 200 मीटर के अंदर सेल्युलर फ़ोन/कॉर्डलेस फ़ोन/वायरलेस सेट/लाउड स्पीकर/मेगाफ़ोन वगैरह का इस्तेमाल नहीं करेगा। यह आदेश चुनाव ड्यूटी पर तैनात ऑब्ज़र्वर, एडमिनिस्ट्रेटिव, पुलिस अधिकारी, ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी, पोलिंग/काउंटिंग से जुड़े सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। इसके साथ ही, कैंपेन से जुड़ा कोई पोस्टर/बैनर नहीं लगाया जाएगा।

जारी किए गए आदेशों में यह भी मना किया गया है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी, चुनाव लड़ने वाला उम्मीदवार पोलिंग बूथ के 200 मीटर के अंदर अपना पोलिंग बूथ/टेंट नहीं लगाएगा। इसके अलावा, स्टेट इलेक्शन कमीशन पंजाब, जिला चुनाव अधिकारी, जालंधर या ग्राम पंचायत चुनाव क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारा के अलावा कोई भी व्यक्ति अपनी प्राइवेट गाड़ी किसी भी पोलिंग बूथ के 200 मीटर के अंदर नहीं ले जाएगा।

चुनाव पर्यवेक्षक अमृत सिंह ने पंचायत समिति चुनावों के लिए जिला प्रशासन की तैयारियों का लिया जायज़ा

मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर

- 306 बूथों पर होगा मतदान, मतगणना डेराबस्सी और खूनीमाजरा (खरड़) में
- 52 ज़ोन में होने वाले चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियाँ कल की जाएँगी रवाना

हिन्द जनपथ
एस.ए.एस. नगर (ब्यूरो)। पंचायत समिति चुनावों के लिए साहिबजादा अजीत सिंह नगर जिले की चुनाव पर्यवेक्षक सुश्री अमृत सिंह, निदेशक–रोज़गार सृजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, ने आज जिला प्रशासन के साथ चुनाव तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने खरड़, माजरी और डेराबस्सी की कुल 52 पंचायत समिती ज़ोनों में 14 दिसंबर को हो रहे चुनावों को पूरी तरह भयमुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के निर्देश दिए।

मतगणना के लिए तैनात माइक्रो ऑब्ज़र्वर्स के साथ एक अलग बैठक में उन्होंने बताया कि मतगणना 17 दिसंबर 2025 को होगी। खरड़ और माजरी पंचायत समितियों की मतगणना सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, खूनी माजरा (खरड़) में, जबकि डेराबस्सी की मतगणना सरकारी कॉलेज, डेराबस्सी में करवाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि मतगणना से एक दिन पहले प्रशिक्षण एवं पंचायत समिति क्षेत्रों के आवंटन हेतु रैंडमाइज़ेशन किया जाएगा। प्रत्येक मतगणना केंद्र पर 14 टेबल स्थापित की जाएँगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त सुश्री कोमल मित्तल ने पर्यवेक्षक को खरड़, माजरी और डेराबस्सी में की गई चुनाव तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कल अंतिम प्रशिक्षण सत्र के उपरांत 306 पोलिंग पार्टियों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा खरड़ और माजरी के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, खूनीमाजरा से, तथा डेराबस्सी के लिए सरकारी कॉलेज, डेराबस्सी से रवाना किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मतदान हेतु आवश्यक सभी चुनाव सामग्री तैयार कर किटों में पैक कर दी गई है तथा पोलिंग पार्टियों को चुनाव बूथों तक भेजने और मतदान उपरांत कलेक्श सेंटर/स्ट्रांग रूम तक वापस लाने हेतु परिवहन व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है।

अतिरिक्त उपायुक्त व अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सोनम चौधरी ने बताया कि जिले में 2,12,848 मतदाता 14 दिसंबर को अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सभी व्यवस्थाएँ पहले ही पूर्ण कर दी गई हैं, तथा हर बूथ पर सी सी टी वी कैमरे स्थापित कर दिए गए हैं।

सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी देते हुए एस.पी. (मुख्यालय) मोहित अग्रवाल ने बताया कि कुल 306 मतदान बूथों में से 57 बूथों को संवेदनशील चिह्नित किया गया है। इन बूथों पर अतिरिक्त निगरानी और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एस.पी. एवं डी.एस.पी. रैंक के अधिकारियों को अलग अलग क्षेत्रों का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से सम्पन्न हो सकें।

उन्होंने बताया कि पेट्रोलिंग पार्टियाँ लगातार निगरानी करेंगी और क़ानून-व्यवस्था भंग करने या किसी भी तरह से मतदाताओं को प्रभावित करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास - नए अधिनियम से क्या हासिल होगा

लेखकः डा. रतन कुमार सिन्हा, पूर्व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग

जनता का विश्वास हमेशा से भारत के परमाणु कार्यक्रम की आधारशिला रहा है। देश के सतत, समतापूर्ण और ऊर्जा-सुरक्षित विकास के दृष्टिकोण में यह आधार निहित है कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग अत्यधिक संरक्षा, निर्विवाद उत्तरदायित्व और पारदर्शी संचार के साथ किया जाए। संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास के स्तंभ केवल अमूर्त आदर्श नहीं हैं; ये भारत के परमाणु उद्योग के व्यावहारिक आधार हैं।

जैसे-जैसे हम परमाणु ऊर्जा के लिए एक नए विधायी ढाँचे पर विचार कर रहे हैं, यह पूछना ज़रूरी है कि यह नए अधिनियम से क्या हासिल होगा? मेरे विचार से, इसका उत्तर इन्हीं आधारों को मज़बूत करने में निहित है। इस कानून से अपेक्षा है कि यह जनता के विश्वास से समझौता किए बिना संरक्षा और सशक्तिकरण प्रदान करे, सरलीकरण और सुरक्षा प्रदान करे, नवाचार को प्रोत्साहित करे।

संरक्षा - पूर्णता की संस्कृति को संस्थागत बनाना

परमाणु प्रौद्योगिकी में संरक्षा डिज़ाइन का एक अनिवार्य अंग ही नहीं, बल्कि यह इसका मूल दर्शन होना चाहिए। ट्रॉम्बे में भारत के पहले अनुसंधान रिएक्टरों से लेकर स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टरों और अगली पीढ़ी के प्रगत रिएक्टरों तक, डिज़ाइन हमेशा गहन संरक्षा और निश्चेष्ट संरक्षा विशेषताओं द्वारा निर्देशित रही हैं।

जब हमने प्रगत भारी पानी रिएक्टर (AHWR) की कल्पना की थी, तो हमारा लक्ष्य न केवल थोरियम के उपयोग को प्रदर्शित करना था, बल्कि यह भी प्रदर्शित करना था कि एक रिएक्टर इसके ऑपरेटर के हस्तक्षेप के बिना भी सुरक्षित रह सकता है – एक ऐसी डिजाइन

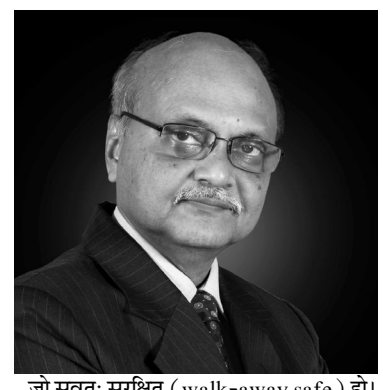

जो स्वतः सुरक्षित (walk-away safe) हो। वास्तव में, संरक्षा परमाणु ऊर्जा परिनियोजन का एक अभिन्न अंग है।

नए अधिनियम को, निश्चित रूप से, यह गारंटी देनी चाहिए कि संरक्षा-संस्कृति जारी रहे। इसे उच्चतम संरक्षा मानकों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए और नियामक संस्थानों की स्वायत्तता, अधिकार और जवाबदेही को मजबूत करना चाहिए। इसे आवश्यकतानुसार प्रौद्योगिकी उन्नयन और पारदर्शी संरक्षा समीक्षाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसे प्रचालन प्रदर्शन पर सूचना के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देना चाहिए।

किसी भी उद्योग में विशेषकर परमाणु ऊर्जा के मामले में तो और भी ज़्यादा, संरक्षा एक स्थिर लक्ष्य नहीं है। इसे एक ऐसी संस्कृति के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका निरंतर पोषण किया जाना चाहिए। ख़ास तौर पर परमाणु पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में, इस संस्कृति को एक संस्थागत फ्रेमवर्क के ज़रिए मज़बूत किया जाना चाहिए।

दायित्व - स्पष्टता के साथ उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना

नाभिकीय क्षति के लिए असैन्य दायित्व अधिनियम (सीएलएनडी अधिनियम) एक अग्रणी कदम रहा है जिसने तीन महत्वपूर्ण हितों को संतुलित किया हैः जनता की संरक्षा, आपूर्तिकर्ताओं को आश्वासन और ऑपरेटरों का विश्वास। इसने दोष-रहित दायित्व सिद्धांत को प्रतिपादित किया और यह सुनिश्चित किया कि ऑपरेटर की ज़िम्मेदारी स्पष्ट और निर्देशित रहे।

ऊर्जा परिदृश्य और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास ने संबंधित संस्थाओं की देनदारियों पर अधिक स्पष्टता को आवश्यक बना दिया है। इस तरह के संशोधन किसी भी परिपक्व क्षेत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि शासन का फ्रेमवर्क वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक अपेक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखे।

नए अधिनियम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन का फ्रेमवर्क निष्पक्ष, स्पष्ट हो और संदेह रहित बना रहे, साथ ही जवाबदेही की एक सुपरिभाषित श्रृंखला भी बनाए रखे। इसे यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दायित्व का मूल्यांकन करने की व्यवस्था देश में परमाणु तैनाती की सीमा और पैमाने के अनुरूप हो। एक आधुनिक दायित्व व्यवस्था को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि संरक्षा और ज़िम्मेदारी विकास के साथ-साथ चलती हैं।

जन विश्वास - प्रगति की आधारशिला

दुनिया भर में परमाणु उद्योग के उत्कृष्ट संरक्षा रिकॉर्ड के बावजूद, परमाणु ऊर्जा के प्रति जनता का दृष्टिकोण अक्सर वैज्ञानिक तथ्यों की तुलना में धारणाओं से अधिक प्रभावित होता रहा है। कुछ साल पहले मैंने जिस पुस्तक का सह-लेखन किया था, 'द अनरीज़न्ड फियर ऑफ़ रेडिएशन', ऐसी ही भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास था। यह पुस्तक बताती है कि नियंत्रित और सुव्यवस्थित वातावरण में विकिरण, किसी भी अन्य तकनीक जितना ही सुरक्षित है जिसका उपयोग हम अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से आत्मविश्वास से करते हैं।

जनता का विश्वास केवल पारदर्शिता और जनता के साथ संवाद के माध्यम से ही अर्जित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, जब नागरिक देखते हैं कि परमाणु विज्ञान रेडियोथेरेपी के माध्यम से जीवन बचा रहा है, उत्परिवर्तन प्रजनन के माध्यम से फसलों को बढ़ा रहा है या विकिरण शुद्धिकरण के माध्यम से सुरक्षित जल उपलब्ध करा रहा है, तो वे परमाणु ऊर्जा के मानवीय पहलू से जुड़ने लगते हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग में अपने कार्यकाल के दौरान, हमने नई आउटरीच रणनीतियों की शुरुआत करके इस दिशा में कई प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप 2015 की गणतंत्र दिवस परेड में परमाणु ऊर्जा विभाग की झांकी प्रदर्शित की गई और प्रसारण व सोशल मीडिया पर उपस्थिति दर्ज कराई गई। ये कदम दिखावटी नहीं थे; इनका उद्देश्य विज्ञान और समाज के बीच की दीवार को हटाना था।

यदि नया अधिनियम नागरिकों के साथ खुले संवाद को बढ़ावा दे पाता है, तो यह समाज के साथ विज्ञान के सामाजिक संबंधों को पुनर्परिभाषित करेगा। ऐसा करके, यह हमारे चिरस्थायी आदर्श वाक्यः राष्ट्र की सेवा में परमाणु, की भावना को साकार करेगा। नए अधिनियम से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस प्रकार के संदेश सार्वजनिक प्रकटीकरण को अनिवार्य बनाएं, शैक्षिक जागरूकता को प्रोत्साहित करें तथा नागरिकों के साथ संवाद को संस्थागत कार्य प्रणाली का अभिन्न अंग बनाएं।

नए अधिनियम में क्या गारंटी होनी चाहिए

यदि 1962 के प्रथम परमाणु ऊर्जा अधिनियम ने क्षमता निर्माण के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था, तो नए अधिनियम का उद्देश्य आत्मविश्वास बढ़ाना और परमाणु प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर तैनाती करना होना चाहिए। इसमें उस राष्ट्र की परिपक्वता प्रतिबिंबित होनी चाहिए जिसने जटिल तकनीकों में महारत हासिल की है और जिम्मेदार आचरण के माध्यम से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। नए अधिनियम को विज्ञान और समाज के बीच पारस्परिक आश्वासन की यह गारंटी देनी चाहिए किः

संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, दायित्व (देनदारियां) हमेशा न्यायसंगत और पारदर्शी रहेगा, और जनता का विश्वास हर निर्णय के केंद्र में रहेगा। जब ये गारंटियां न केवल कानून में, बल्कि संस्थागत व्यवहार में भी निहित होंगी, तो भारत का परमाणु भविष्य सुदृढ़ आधार पर खड़ा होगा।

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम

भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए यह एक परिवर्तन का दौर है। बड़े विद्युत संयंत्रों के अलावा, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और प्रगत थोरियम प्रणालियाँ परमाणु ऊर्जा की पहुँच का विस्तार करेंगी। इसलिए नए अधिनियम को एक ऐसे फ्रेमवर्क की गारंटी देनी चाहिए जो प्रौद्योगिकियों के तेज़ उपयोग को सुगम बनाए और साथ ही स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण को प्रोत्साहित करे। इसमें नियामकों, प्रचालकों और उद्योग के बीच निर्बाध समन्वय और भविष्य के नवाचारों को शामिल करने के लिए लचीलापन सुनिश्चित करना चाहिए।

संक्षेप में, नए अधिनियम को परमाणु पुनर्जागरण के लिए एक अनुकूल पृष्ठभूमि तैयार करनी चाहिए जो भारत में जलवायु लक्ष्यों और विकसित भारत @2047 बनने की राह में स्वच्छ-ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को विश्व का अग्रणी देश बनने की आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

संपादकीय

बेटी बचाओ

ग्रेटर नोएडा के निक्की भाटी हत्याकांड को केवल एक अकेली घटना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। सिस्टम पर सवाल के साथ ही यह उस समाज को भी आईना दिखाता है, जहां शादियों में दहेज का लेनदेन अब भी सामान्य है। यह हाल तब है, जबकि लंबे समय से देश में दहेज विरोधी कानून लागू है।निक्की और उसकी बहन की शादी साल 2016 में एक ही घर में हुई थी और तब से दोनों को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। सोचने वाली बात है कि परिवार को बेटियों के उत्पीड़न की जानकारी थी। इसके बावजूद उन्होंने जितना संभव था, उस हद तक जाकर ससुरालवालों के लालच को पूरा किया, इसकी वजह? समाज का वह अनदेखा दबाव जो कहता है कि बेटियां एक बार ससुराल चली गईं, तो वहीं की हो जाती हैं। इसी कथित सामाजिक मान-सम्मान की चिंता और बेटियों का घर कहीं टूट न जाए - इस आशंका ने निक्की को नरक जैसा जीवन झेलने पर मजबूर किया।निक्की पर हुए अत्याचार की कहानी विडियो फुटेज के रूप में सामने है, लेकिन सच यह भी है कि देश में दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के कितने ही मामले सामने नहीं आ पाते - या फिर वे उन छोटे कस्बों और शहरों के होते हैं, जहां नजर नहीं जाती। दहेज उत्पीड़न और हत्या पर नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के सबसे हालिया आंकड़े भी 2022 के हैं। ये बताते हैं कि उस साल दहेज हत्या के 6,450 केस दर्ज किए गए थे। इसके पहले जाएं, तो 2020 में 6966 और 2021 में लगभग 6700 केस थे।भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80 में दहेज हत्या के लिए न्यूनतम 7 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके बाद भी मामले रुक नहीं रहे, क्योंकि न्याय मिलने की रफ्तार धीमी और दर बहुत कम है। चार्जशीट दाखिल करने में देरी, मुकदमों का लंबा खिंचना, पीड़ित परिवार पर अदालत के बाहर ही समझौता करने का दबाव जैसे कई फैक्टर हैं, जिनकी वजह से इंसाफ नहीं मिल पाता।

भारत तो अपने मन की ही करेगा, ज्यादा उड़ो मत ट्रंप... रूस ने इस बार अमेरिका को अच्छे से समझा दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी रूसी तेल खरीद तो कभी चावल को लेकर भारत पर भारी टैरिफ की धमकी देते रहते हैं। ट्रंप ने पहले ही भारत पर 50त तक टेरिफ लगाकर दबाव बनाने की कोशिश की। लेकिन जब यह दांव असरदार नहीं हुआ तो अब ट्रंप की नई चाल और नया बयान सामने आ गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत को अमेरिकी बाजार में चावल 'डंप' करना (सस्ते दामों पर बेचना) नहीं चाहिए। भारत रूस के तेल कारोबार को लेकर भी ट्रंप का टैरिफ कार्ड देखने को मिला था।

(अभिनय आकाश)

अमेरिकी दबाव को दरकिनार करते हुए भारत और रूस की दोस्ती दिन दोगुनी और चार चौगुणी गति से आगे बढ़ रही है। रूस ने अमेरिका जैसे देशों को बताया है कि तुम नहीं तय करोगे कि हमारे रिश्ते किसके साथ कैसे होंगे। अमेरिका ने दुनिया में इस वक्त ट्रेड वॉर छेड़ रखा है। खासकर उसके निशाने पर भारत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी रूसी तेल खरीद तो कभी चावल को लेकर भारत पर भारी टैरिफ की धमकी देते रहते हैं। ट्रंप ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत तक टेरिफ लगाकर दबाव बनाने की कोशिश की। लेकिन जब यह दांव असरदार नहीं हुआ तो अब ट्रंप की नई चाल और नया बयान सामने आ गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत को अमेरिकी बाजार में चावल 'डंप' करना (सस्ते दामों पर बेचना) नहीं चाहिए। भारत रूस के तेल कारोबार को लेकर भी ट्रंप का टैरिफ कार्ड देखने को मिला था।

इसी दोहरेपने को अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक्सपोज किया है। पुतिन ने तो यहां तक कह दिया कि भारत के ट्रेड के खिलाफ बोलते हो और खुद हमसे तेल ले रहे हैं अपने न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए। यूरेनियम खरीद रहे हैं अपने लिए और भारत को ज्ञान दे रहे हैं। तो यह जो दोहरे मापदंड है उसको पुतिन ने भी एक्सपोज किया। लेकिन ट्रंप का रवैया यह बताता है कि वो बिल्कुल नहीं सुधरेंगे। क्योंकि जिस तरह से भारत पुतिन के रिश्ते दिखाई पड़े हाल के दिनों में जिस तरह से रूसी राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन का भारत दौरा रहा उससे वो बौखला गए हैं। ऐसा लग रहा है। वो कह नहीं पा रहे हैं लेकिन उनके जो दिल के अरमा है उनके जुबान पर गाहे बगाहे आ जा रहे हैं। पुतिन के ऑफिस के उन्होंने कहा कि भारत जहां से सस्ता और फायदे का तेल मिलेगा भारत को वहीं से वह खरीदेगा। यह बयान उस वक्त आया है जब आपको मालूम है कि क्या हालात हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 50 प्रतिशत का टेरिफ लगाया था। आपको मालूम है और भारत पर रूसी तेल खरीद के अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन के युद्ध में फंडिंग का आरोप लगाया। भारत ने झुकने से इंकार कर दिया और रूसी राष्ट्रपति ने किस तरीके के बयानात दिए हैं कि बिना रुकावट के तेल जो है हम जारी रखेंगे।

फरवरी 2022 में पहले भारत रूस से लगभग शून्य करूड ऑयल खरीदता था। बहुत नाम मात्र का नवंबर 2025 के आंकड़ों पर बात करें तो भारत रूस से रोजाना औसतन 2.1 मिलियन के आसपा बैरल करूड ऑयल आयात कर रहा है। 2025 के पहले 11 महीनों में भारत ने रूस से कुल 81 मिलियन टन लगभग 545 मिलियन बैरल करूड ऑयल खरीदा जो 2021 के मुकाबले 25 गुना ज्यादा है। रूस अब भारत का सबसे बड़ा करूड ऑयल सप्लायर है। कुल आयात का 40 से 42त हिस्सा तेल आ रहा है। भारत को रूसी तेल ब्रेंट के मुकाबले औसतन 8 से .10 प्रति बैरल छूट मिल रही है। 204-25 में भारत ने रूसी तेल आयात से करीब 9.2 अरब डॉलर की बचत की है।

फिलहाल रूस भारत तेल व्यापार पर अमेरिकी प्रतिबंध है। टेरिफ का कोई खास असर नहीं डाल पाया तो कई कंपनियों को भी निशाने पर बनाया गया और सेंशंस लगाया गया। भारत अपनी सुरक्षा ऊर्जा जरूरतों के हिसाब से जो है कदम उठा रहा है। फैसले कर रहा है। क्रेमलिन भी कह रहा है कि हम इसी तरीके के साथ में हैं। पुतिन ने भी कहा था कि हम पूरी तरीके से साथ में हैं। तो एक तरफ ये ट्रंप का ड्रामा चल रहा है। दूसरी तरफ रशिया भारत के साथ खुलकर आकर खड़ा हो गया है। (यह लेखक के अपने विचार)

दो मुस्लिम देशों में महायुद्ध की आहट!

(अभिनय आकाश)

दुनिया में एक साथ खड़े दिखाई देते थे। जिनकी दोस्ती इन्हें खाड़ी में मजबूत बनाती लेकिन अब इन दो दोस्त मुल्कों के बीच खटास पैदा हो गई है जो खाड़ी के पावर बैलेंस को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में आखिरकार पक्के दोस्त समझे जाने वाले यूएई और सऊदी किस मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए।

रूस और यूक्रेन के मोर्चे पर अभी बारूद की बारिश थमी नहीं है। लगभग 4 साल से दोनों मुल्क जंग के मैदान में हैं। इसी बीच अब दो मुस्लिम देशों में ठनती दिख रही है। मैदान यमन का है लेकिन भिड़ रहे हैं यूएई और सऊदी अरब। सऊदी अरब और यूएई को अरब जगत में सबसे करीबी सहयोगी माना जाता था। जो अक्सर सभी विवादों को लेकर लगभग एक जैसी राय ही रखते थे। दुनिया में एक साथ खड़े दिखाई देते थे। जिनकी दोस्ती इन्हें खाड़ी में मजबूत बनाती लेकिन अब इन दो दोस्त मुल्कों के बीच खटास पैदा हो गई है जो खाड़ी के पावर बैलेंस को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में आखिरकार पक्के दोस्त समझे जाने वाले यूएई और सऊदी किस मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए। दोनों के बीच का तनाव क्यों युद्ध में तब्दील हो सकता है। आखिर क्यों और किस बात को लेकर दोनों मुस्लिम देश बाही चढ़ाए हुए हैं। ऐसा क्या हो गया कि बारूद बरसाने की नौबत आती दिख रही है?

यमन को लेकर सऊदी अरब यूएई के बीच तनाव

बढ़ता जा रहा है। यूएई समर्थित सेना का दावा है कि दक्षिण यमन पर अब पूरी तरह से उसका कब्जा हो चुका है। इस दावे के बाद कयास लग रहे हैं कि जल्द ही अब एक नए देश का ऐलान हो सकता है। 1960 के बाद पहली बार यमन दो देशों में बढ़ सकता है। पिछले यूएई समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल यानी एसटीसी के करीब 10,000 सैनिक तेल के भंडार वाले क्षेत्र हद्रा मौत गवर्नरेट में और बाद में ओमान की सीमा से लगे कम आबादी वाले माराह गवर्नरेट में घुस गए जो पहले उनके एक नियंत्रण में नहीं था। ऐसा पहली बार हुआ है जब एसटीसी ने दक्षिण यमन के उन सभी आठ गवर्नरेट्स पर कब्जे का दावा किया है जो 1960 के दशक में स्वतंत्र दक्षिण यमन का हिस्सा थे। इस घटना के बाद पूरी संभावना है कि बहुत जल्द दक्षिण यमन आजादी का ऐलान कर दे जो सऊदी अरब के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। जबकि यूएई के लिए बहुत बड़ी डिप्लोमेटिक जीत।

दक्षिणी यमन को एक अलग देश बनाना चाहता है यूएई

सऊदी अरब के लिए यह घटना पैरों तले जमीन खिसकने जैसी है। सऊदी अरब ने अब दक्षिणी राजधानी अदन में प्रेसिडेंशियल पैलेस और एयरपोर्ट से भी अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का दक्षिणी यमन में अपनी सेना को बुलाने का मतलब यह हुआ कि सऊदी ने यूएन से मान्यता प्राप्त यमन सरकार के अंदर जिन सेनाओं का समर्थन किया था, उन्हें कम से कम अब दक्षिणी यमन से खदेड़ दिया गया है। यूएई दक्षिणी यमन के सबसे मजबूत गुट एसटीसी का समर्थन करके दक्षिणी यमन को एक अलग देश बनाना चाहता है। इसलिए अब सऊदी अरब की बख्तरबंद सेना जिसमें टैंक और बख्तरबंद सैन्य वाहन शामिल हैं। यमन में दाखिल हो गई हैं। जिसके वीडियो भी सामने आए। सऊदी ने यह सेना यूएई समर्थित लड़ाकों और सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल यानी एसटीसी की तेजी से कब्जा अभियान को रोकने के लिए भेजी है।

ऑयल रिजर्व का खेल

यह पूरी लड़ाई यमन के जिस हिस्से में हो रही है वो तेल समृद्ध इलाका है। सऊदी और यूएई दोनों इस इलाके पर वर्चस्व चाहते हैं। इसीलिए दोनों अब एक दूसरे से भिड़ रहे हैं और आने वाले वक्त में यह जंग और ज्यादा खतरनाक हो सकती है। जिसका सीधा असर खाड़ी के दो सबसे असरदार देशों की दोस्ती पर पड़ना तय है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि आखिर यमन में सऊदी और यूएई आमने-सामने नजर क्यों आ रहे हैं। दरअसल हजरा मौत केवल एक प्रांत नहीं बल्कि यमन का सबसे बड़ा और सबसे संसाधन समृद्ध इलाका है। तेल, खनिज और 450 किमी लंबी समुद्री तट रेखा इसे दोनों खाड़ी देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। यूएई की रणनीति दक्षिण यमन को अलग राष्ट्र के रूप में पुन स्थापित कर उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बदलने की है।

वर्ग पहेली 5941

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के इतिहास में 16 अप्रैल का दिन एक प्रमुख कारण से दर्ज है। जिसमें भारत में पहली बार ट्रेन चली थी 1853 को पहली रेल ठाणे और इसके बीच चली थीं (3)
4. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
8. एक जैसी शक्ल वाले, अनुरूप (4)
10. पुस्तक पठन आधार (3)
11. एक प्रकार की नर्म घास (2)
12. भक्षित, खाया हुआ (3)
14. युद्ध में शत्रु की सेना से छीना हुआ माल (4)
17. हेमामालिनी की अभिनेत्री पुत्री (सिर्फ नाम), कुलीन स्त्री (2)
18. मुट्ठी, मुक्का (2)
19. जो वस्तु एक बार मे तली या सेंकी जाए (2)
20. इंडैक्स, अनुक्रमणिका, तालिका (2)
22. शास्त्रीय संगीत में ऋषभ स्वर, छोटे, तुच्छ आदमियों के लिए संबोधन (1)
23. अविलचल, अप्रयत्नशील (3)
25. वर्तमान दिन (2)
27. इच्छा रखने वाला, ख्वाहिशमंद (5)

ऊपर से नीचे
1. नवविवाहित वधू की मुंह देखने की रस्म जिसमें उसे कुछ उपहार आदि दिया जाता है (5)
2. एक विस्फोटक पदार्थ (2)
3. पैगम्बर, रसूल, नबी (4)
5. रेडियों वायरलेस के आविष्कारक (4)
6. एक सर्वनाम (4)
7. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
9. आमोद-प्रमोद के लिए बनाई गई संस्था (2)
13. दिशा का संकेत देने वाला यंत्र (5)
14. पहरा देने के लिए फेरा या चक्कर (2)
15. मेघ से संबंधित एक नक्षत्र (2)
16. जिस्म, देह, काया (2)
21. गिद्ध जाति की एक चिड़िया (2)
24. शरीर के गहरे रंग का दाग, कॉर्निया (2)
25. एक दिवंगत हास्य अभिनेता (2)
26. वृद्धावस्था, दौलत, स्वर्ण, संपत्ति (2)

वर्ग पहेली 5940 का हल

इं	डि	स	न	बैं	क	■	स
दि	■	म	य	क	दा	■	र
रा	ह	ज	न	■	घि	रा	ग
गां	ठ	■	प	■	त	मा	म
धी	■	प	ट	ना	■	नु	■
■	शा	द	■	द	हे	ज	■
ला	ल	च	दे	ना	■	■	स
ल	■	र	व	■	पं	जा	ब

चिर-सुख उसी से संभव

(श्री श्री आनंदमूर्ति)

मनुष्य पतन के मार्ग पर कब चला जाता है? यह सवाल बहुत लोगों को मथता है। दरअसल, मनुष्य का पतन तभी आरंभ हो जाता है, जब वह अपनी आत्मा के अविनाशी स्वरूप की उपेक्षा कर भोग और भौतिक लालसाओं को जीवन का लक्ष्य बना लेता है। मनुष्य पतन के मार्ग पर कब चला जाता है? यह सवाल बहुत लोगों को मथता है। दरअसल, मनुष्य का पतन तभी आरंभ हो जाता है, जब वह अपनी आत्मा के अविनाशी स्वरूप की उपेक्षा कर भोग और भौतिक लालसाओं को जीवन का लक्ष्य बना लेता है। संसार में आपको ऐसे अनेक लोग मिल जाएंगे, जो ब्रह्म के अस्तित्व को मानने का दावा करते हैं, आत्मा पर चर्चा करते हैं, किंतु क्षणिक सुखों के पीछे भागते रहते हैं। ऐसे लोग धीरे-धीरे प्रकाश से अंधकार और मनुष्य से पशुवृत्ति की ओर बढ़ते चले जाते हैं। प्रश्न उठता है कि जब परमात्मा अनंत और शुद्ध है, तब व्यक्ति की विकृत धारणाएं कहां से उत्पन्न होती हैं? मनुष्य की मूल प्रवृत्ति है- सीमित से अनंत और अंश से पूर्णता की ओर अग्रसर होना। सुख की तलाश इसी प्रवृत्ति से जन्म लेती है। जब तक जीवन का लक्ष्य अनंत नहीं होता, तब तक शाश्वत सुख प्राप्त नहीं किया जा सकता। केवल परमात्मा ही अनादि और अनंत सत्ता है, इसलिए चिर-सुख उसी से संभव है। सांसारिक वस्तुओं का सुख क्षणिक है, पर हानि का दर्द स्थायी लगता है। यही कारण है कि संसार का समस्त दुख वस्तुओं के खोने की पीड़ा से उपजता है। ज्ञानी व्यक्ति दुख से विचलित नहीं होते, क्योंकि वे जानते हैं कि प्रत्येक वेदना का मूल कारण अपने ही संस्कार हैं। वे संस्कार, जो बीते और वर्तमान कर्मों की प्रतिक्रियाएं हैं। मन के भीतर अंकित ये संस्कार ही सुख-दुख की गति उत्पन्न करते हैं और सूक्ष्म जगत की छाप स्थूल जगत में अनुभव के रूप में प्रकट होती है। इन प्रतिक्रियाओं को परमात्मा पर आरोपित करना उचित नहीं है; यह ईश्वर की विकृति नहीं, बल्कि अपने ही मन का प्रतिबिंब है। साधकों के कष्ट उन्हीं संस्कारों से उत्पन्न होते हैं, जो उन्होंने स्वयं रचे हैं। अतः कठिन समय में भगवान को दोष देना न उचित है, न बुद्धिमानी। 'हे प्रभु! इतना जप-तप करके भी मुझे यह फल दिया?'-ऐसी शिकायतें अज्ञान की श्रेणी में आती हैं। जब तक संस्कार जलते नहीं, विपत्ति की आग शांत नहीं होती। इसलिए दूसरों पर दोषारोपण की प्रवृत्ति त्याज्य है; प्रत्येक कष्ट अपने ही कर्मों का प्रतिफल है। विद्यापति ने कहा है- दुख से घबराओ मत; अनुभवों से सीखो और अगले जीवन की दिशा बदलो। विद्वानों ने इसीलिए कहा कि मनुष्य को अनंत सत्ता को चिंतन का केंद्र बनाना चाहिए- वही जिसका न कोई आरंभ है, न अंत। वह सर्वव्यापक है, इसलिए उसमें गति का प्रश्न ही नहीं उठता। वह चल रहा है, फिर भी नहीं चल रहा। वह दूर है, फिर भी अत्यंत निकट। वह मेरे-तुम्हारे भीतर जीवन का जीवन बनकर विद्यमान है। आत्मा का मार्ग यही है- मन की क्षुद्र सीमाओं से उठकर उस असीम सत्ता में विलीन होना, जहां से दुख का अंत और आनंद का आरंभ होता है।

आज का राशिफल

मेष
आज आपको राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी परेशानी खड़ी कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में निरन्तर परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। सायंकाल के समय अतिथियों के आगमन से खर्चा बढ़ेगा। आज आपके जन्म स्थान से षष्ठम चन्द्रमा और द्वादश भाव में शनि-मंगल का योग बना हुआ है।

वृष
आजआपको कोई नई परेशानी पैदा हो सकती है। कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखें। कला व साहित्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग के सहयोग से व्यवसाय में प्रगति होगी। सायंकाल से रात्रि तक शुभ कार्य में खर्चा होगा जिससे आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

मिथुन
आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी आज समाप्त हो जाएगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार मिलेगा।

कर्क
आज नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी। बड़े बुजुर्ग कार्यक्षेत्र में हर तरह से आपकी मदद करेंगे। खर्चों में थोड़ी कटौती करनी पड़ेगी नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है। कला-क्रीड़ा व साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधा दूर होने की संभावना है। सायंकाल से रात्रि तक पुत्र व पुत्री के लिए विवाह के अच्छे रिश्ते आएंगे।

सिंह
आज पारिवारिक जीवन में कुछ खटपट देखने को मिल सकती है। ऐसे में आपको साहस व धैर्य से काम लेना होगा, किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। अटके हुए पैसे के वापिस आने का समय है। सायंकाल में दूर या पास की यात्रा का योग है।

कन्या
आज राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। परिवार में संपत्ति को लेकर भी कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। सायंकाल के समय व्यापार में कुछ की आशा बंधेगी, जिसका आपको आगे चलकर अत्यन्त फायदा होगा।

तुला
आज पराक्रम व धन की वृद्धि करेगा। न्यायालयीय मामलों में विजय होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता के शीर्ष पर पहुंचेंगे। अचल संपत्ति के व्यापार से लाभ होगा। संतान की सफलता के समाचार से आप आनंदित होंगे। सायंकाल के समय किसी नए कार्य का आरंभ होगा। समाज में सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक
आज चंद्रमा की स्थिति अत्यंत अनुकूल है। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। व्यवसाय में अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में परिश्रम, साहस की आवश्यकता है। शत्रु पक्ष कमजोर होगा।

धनु
आज आपको संतान पक्ष से कोई हर्षवर्धक समाचार मिल सकता है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे। आ कोई झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक यात्रा का योग है, उसमें खास कर चौकन्ने रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में लाभ होगा।

मकर
आज आपको सुव्यवस्था का कोई कार्य सौंपेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे। शिक्षा क्षेत्र में विशेष प्रगति होकर समाज में सम्मान मिलेगा। सिंह राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रखे तो उसे अस्वीकार कर दें।

कुंभ
आज लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्जा भी लेना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप रहेगी। आप अपनी कार्यकुशलता से औरों को प्रभावित करेंगे। सायंकाल के समय कोई विशेष कार्य निपट जाने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन
आज आप अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। परिवार में भी आपके प्रति प्रेम व आदर की भावना बढ़ेगी। देव, गुरु, ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना में इच्छित कार्यों की सफलता में चल रहा व्यवधान समाप्त हो जाएगा। रात्रि के समय किसी मंगल कार्य में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

खुल गया 10,602.65 करोड़ रुपये के साइज वाला आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट आईपीओ आज खुल गया है। कंपनी के आईपीओ पर निवेशकों को 16 दिसंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड सहित अन्य सभी डीटेल्स का ऐलान पहले ही कर दिया है। बता दें, ग्रे मार्केट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट शानदार प्रदर्शन कर रहा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी आईपीओ का प्राइस 2061 रुपये से 2165 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 6 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 12990 रुपये का दांव लगाना होगा। एनआईआई को 16 लॉट और बीएनआईआई को 77 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। यह आईपीओ 12 दिसंबर से 17 दिसंबर तक खुला रहेगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी आईपीओ का जीएमपी अब भी 100 रुपये से अधिक है। आईपीओवॉच की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 120 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। जोकि 5.54 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। इससे पहले कंपनी के आईपीओ का जीएमपी 85 रुपये प्रति शेयर रहा था। बता दें, 6 दिसंबर को यह आईपीओ ग्रे मार्केट में 340 रुपये के प्रीमियम पर था। यह अबतक का सबसे अधिक जीएमपी रहा है। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 10,602.65 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ के जरिए कंपनी 4.90 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कंपनी ने कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित किया है।

रुपये में आज भी तेज गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर की दहाड़ के आगे रुपया थर-थर कांप रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 90.5175 तक कमजोर हुआ। इससे पहले विनिमय दर 11 दिसंबर को अपने पिछले ऑल टाइम लो लेवल 90.46 से फिसल गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये का कमजोर होना अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इससे आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल से लेकर कई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बता दें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मार्च, 2026 तक टलने की खबरों के बाद रुपये में आज भी तेज गिरावट आई और भारतीय रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अगले साल मार्च तक संपन्न होने की संभावना जताए जाने से निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी।

प्राडा के साथ करार, गोयल बोले- कोल्हापुरी चप्पल का निर्यात सालाना पहुंच सकता है 1 अरब डॉलर तक

मुंबई , एजेंसी।
भारत से कोल्हापुरी चप्पल का निर्यात हर वर्ष 1 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह दावा किया। केंद्रीय मंत्री का यह बयान इटली के फैशन हाउस प्राडा की ओर से दो सरकारी कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद आई। इसमें भारत में निर्मित होने वाली सीमित संस्करण की कोल्हापुरी चप्पल की परियोजना पर सहमति व्यक्त की गई थी। कुछ महीने पहले प्राडा की जमकर आलोचना हुई, जब यह पता चला था कि उसके कुछ डिजाइन पश्चिमी महाराष्ट्र की पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित थे और कारीगरों को इसका श्रेय नहीं दिया गया था। हंगामे के बाद फैशन हाउस ने तुरंत भारत में अपनी टीमें भेजीं। गोयल ने पत्रकारों से कहा कि वह प्राडा और कोल्हापुरी चप्पल निर्माताओं के बीच सहयोग से बहुत खुश है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के जूते-चप्पलों में वैश्विक ब्रांड बनने की क्षमता है। मैंने हमेशा से यह कल्पना की थी कि कोल्हापुरी चप्पलों का भारत से 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हो और मैं चाहता हूं कि दोनों पक्ष इस क्षमता को

हासिल करने के लिए सहयोग करें और काम करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे अपने बचपन में कोल्हापुरी चप्पलें पहना करते थे। उन्होंने आगे कहा कि एक बार किसी को चमड़े के जूतों की आदत हो जाती है, तो वे कुछ और आजमाने की कोशिश नहीं करते। इटली की प्रमुख फैशन कंपनी प्राडा का कोल्हापुरी सैंडल कलेक्शन फरवरी 2026 में प्राडा के 40 चुनिंदा स्टोर्स और उसके ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लॉन्च होने वाला है। प्राडा ने बुधवार को मुंबई में इटली के महावाणिज्य दूतावास में एलआईडीकॉम (संत रोहिदास लेदर इंडस्ट्रीज एंड चार्माकर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) और एलआईडीकार (बाबू जगजीवन राम लेदर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के साथ कोल्हापुरी चप्पल पर अपने काम के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारत पर टैरिफ नहीं, अपनी तरक्की पर ताला लगा रहा है मेक्सिको, चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको ने भी भारत समेत एशिया के कई देशों पर 50 फीसदी तक का टैरिफ लगा दिया है। अब यह सवाल कई लोगों के मन में है कि एक विकासशील देश, जो खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ (आयात शुल्क) का शिकार है, वही टैरिफ दूसरे विकासशील देश पर क्यों लगा रहा है?

मेक्सिको की सीनेट ने उन देशों से आने वाले कई तरह के सामानों पर टैरिफ बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिनके साथ मेक्सिको का कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (मुक्त व्यापार समझौता) नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। यह नया टैरिफ स्ट्रक्चर 1 जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत कुछ सामानों पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जबकि ज्यादातर सामानों पर यह बढ़ोतरी करीब 35 प्रतिशत तक सीमित रहेगी।

क्यों लगाया टैरिफ?: मेक्सिको की सरकार का कहना है कि इस कदम के पीछे अपने उद्योगों को बचाना और आर्थिक नीति को मजबूत करना है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबौम की सरकार का तर्क है कि घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों को बचाने के लिए यह टैरिफ जरूरी है। उनका मानना है कि खासकर ऑटो, टेक्सटाइल, स्टील, प्लास्टिक, फुटवियर और अन्य उपभोक्ता व मध्यवर्ती सामानों के क्षेत्र में विदेशी सामानों से बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा है।

सरकारी अधिकारी यह भी कहते हैं कि इस टैरिफ से व्यापार में असंतुलन को ठीक किया जाएगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इससे मेक्सिकन उत्पादकों को एशियाई देशों से आने वाले सामानों के

मुकाबले एक बेहतर मौका मिलेगा। वहीं आर्थिक रूप से देखें तो मेक्सिको अपनी आमदनी भी बढ़ाना चाहता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि इन नए टैरिफ से साल 2026 में मेक्सिकन सरकार को करीब 3.7 अरब डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। यह पैसा सरकार के वित्तीय घाटे को पूरा करने और बजट की कमी को दूर करने में मदद करेगा।

मेक्सिको के इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। उनका कहना है कि इससे वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। साथ ही, निर्माताओं के लिए लागत बढ़ सकती है और दूसरे देशों के साथ व्यापारिक तनाव भी बढ़ सकता है। आलोचकों का यह भी मानना है कि मेक्सिको को कच्चे माल की लागत बढ़ानी पड़ सकती है और महंगाई बढ़ सकती है, क्योंकि घरेलू उत्पादकों को नए स्रोतों से सामान मंगाना पड़ेगा। रणनीतिक रूप से देखें तो मेक्सिको के इस फैसले में एक मजबूत भू-राजनीतिक पहलू भी है। मेक्सिको का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका है।

अमेरिकी प्रतिबंध के दबाव से घटा रूसी तेल निर्यात

मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी प्रतिबंधों से जुड़े जोखिमों के कारण नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि प्रतिबंधों की चिंताओं की वजह से खरीदारों पर दबाव पड़ा।

मॉस्को का तेल राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पर: एजेंसी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नवंबर में रूसी तेल निर्यात में 420 किलो बैरल प्रति दिन (केबी/डी) की गिरावट आई। कम शिपमेंट और कमजोर कीमतों के संयोजन ने मॉस्को के तेल राजस्व को घटाकर 11 अरब डॉलर कर दिया, जो एक साल पहले की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

आईईए ने कहा कि रूस का कुल तेल निर्यात नवंबर में लगभग 400 किलो बैरल प्रति दिन घटकर 6.9 माइक्रोमीटर प्रति दिन हो गया, क्योंकि खरीदारों ने अधिक कड़े प्रतिबंधों से जुड़े प्रभावों और जोखिमों का आकलन

किया। निर्यात में गिरावट के कारण यूराल कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी गिरावट आई, जो 8.2 डॉलर/बैरल (बैरल का अर्थ लगभग 159 लीटर) गिरकर 43.52 डॉलर/बैरल हो गई। इससे निर्यात राजस्व फरवरी 2022 में यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। बता दें कि अमेरिका ने कई देशों को चेतावनी दी है कि अगर वे रूसी तेल खरीदना जारी रखते हैं तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क और दंडात्मक व्यापार उपायों का सामना करना पड़ सकता है। रूस से तेल की निरंतर खरीद का हवाला देते हुए, अमेरिका ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पहले घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त है। आईईए के अनुसार, नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610 किलो बैरल प्रति दिन की गिरावट आई, जिससे सितंबर के रिकॉर्ड 109 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबीसी) से संचयी गिरावट बढ़कर 1.5 मिलियन बैरल प्रति दिन हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधों से प्रभावित रूस और वेनेजुएला में आपूर्ति में व्यवधान के कारण हुई कुल गिरावट में ओपेक + देशों का योगदान तीन-चौथाई से अधिक रहा। इस समूह ने पिछले दो महीनों में आपूर्ति में आई गिरावट में 80 प्रतिशत का योगदान दिया, जो कुवैत और कजाकिस्तान में हुई बड़ी अनियोजित रुकावटों के साथ-साथ रूस और वेनेजुएला में जारी संकुचन को दर्शाता है।

वर्किंग कैपिटल पर बड़ी राहत, आरबीआई ने कैश क्रेडिट खातों पर लगी पाबंदियां हटाईं

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उद्योग और कारोबार जगत को राहत देते हुए कैश क्रेडिट सुविधाओं पर लगी पाबंदियां हटा दी हैं। बैंकिंग व्यवस्था में बड़े कर्जदारों के लेन-देन पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए अक्टूबर में जारी मसौदा दिशानिर्देशों में कई प्रतिबंध प्रस्तावित किए गए थे। लेकिन स्टेकहोल्डर फीडबैक के बाद आरबीआई ने इन्हें वापस लेने का निर्णय किया है। इससे कामकाज के लिए आवश्यक वर्किंग कैपिटल की उपलब्धता पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

आरबीआई ने स्पष्ट किया कि कैश क्रेडिट खाते संचालन के लिहाज से करंट अकाउंट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट से अलग होते हैं। मसौदा निर्देशों में 10 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज वाले खाताधारकों के लिए लेन-देन करने वाले बैंकों की संख्या सीमित करने का प्रस्ताव था। लेकिन उद्योग संगठनों, बैंकों और अन्य हितधारकों ने कहा कि इससे वर्किंग कैपिटल की उपलब्धता पर असर पड़ेगा। इसी वजह से आरबीआई ने कैश क्रेडिट खातों पर प्रस्तावित पाबंदियां हटाने

का निर्णय लिया। लेन-देन करने वाले बैंक चुनने की अनुमति होगी। साथ ही, यह भी प्रस्तावित था कि किसी भी बैंक को करंट अकाउंट या ओवरड्राफ्ट सुविधा तभी दी जाए जब उसका उधारकर्ता पर कम से कम 10 प्रतिशत फंड-आधारित या कुल एक्सपोजर हो। मसौदा तैयार करने का उद्देश्य बड़े खातों के लेन-देन की निगरानी मजबूत करना था। आरबीआई ने बताया कि मसौदे पर प्राप्त फीडबैक में कई स्टेकहोल्डर्स ने चिंता जताई कि कैश क्रेडिट खातों पर प्रतिबंध से कारोबारियों को वर्किंग कैपिटल जुटाने में दिक्कत हो सकती है। उद्योग जगत का कहना था कि ट्रेडिंग, एमएसएमई और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कैश क्रेडिट अकाउंट वित्तीय प्रवाह बनाए रखने का मुख्य आधार हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में तीन माह की गिरावट के बाद 21 फीसदी बढ़ा निवेश

एम्फी ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।
लगातार तीन महीनों की गिरावट के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश नवंबर, 2025 में मासिक आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये पहुंच गया। यह वृद्धि बताती है कि तमाम चुनौतियों के बावजूद निवेशकों का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई, 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड 42,702 करोड़ रुपये के निवेश के बाद से इसमें लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी।

अगस्त में निवेशकों ने इक्विटी

म्यूचुअल फंड में 33,430 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सितंबर में यह निवेश और घटकर 30,421 करोड़ एवं अक्तूबर में 24,690 करोड़ रुपये रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, निवेश में वृद्धि से म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) नवंबर में मासिक आधार पर 1.16 फीसदी बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गईं। अक्तूबर में म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां 79.87 लाख करोड़ रुपये रही थी। एम्फी के मुताबिक, खुदरा निवेशकों की भागीदारी में गिरावट से सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश नवंबर में मामूली घटकर 29,445 करोड़ रुपये रह गया। अक्तूबर में निवेशकों ने एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

फ्लेक्सी कैप में निवेश बढ़ा, डेट फंड में घटा

लाभांश प्रतिफल और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) फंड के अलावा अधिकतर सब-कैटेगरी में सकारात्मक रुझान दिखा। फ्लेक्सी कैप फंड में सबसे अधिक 8,135 करोड़ का निवेश आया। हालांकि, यह अक्तूबर के 8,929 करोड़ से 9 फीसदी कम है। डेट म्यूचुअल फंड से 25,692 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जबकि अक्तूबर में 1.6 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ था। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी भारी गिरावट देखी गई। यह अक्तूबर के 7,743 करोड़ के शुद्ध निवेश से घटकर 3,742 करोड़ रह गया।

म्यूचुअल फंड और डीमैट खातों के लिए नामांकन प्रक्रिया की तिथि टली; 26 निवेशकों ने लगाए 4815 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे के तीसरे चरण के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया है। यह पहले 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, नई तिथि की घोषणा बाद में होगी। यह स्थगन डिपॉजिटरी और अन्य हितधारकों की ओर से सामना की जा रही परिचालन संबंधी चुनौतियों के जवाब में किया गया है। सेबी ने रीट और इनविट की परिभाषा में भी बदलाव किया है। एक योग्य संस्थागत खरीदार मानी जाने वाली संस्था रणनीतिक निवेशक के रूप में आवेदन कर सकती है। इसमें सरकारी वित्तीय संस्थानों, पेंशन एवं भविष्य निधि, वैकल्पिक निवेश निधि, राज्य औद्योगिक विकास निगम, पारिवारिक ट्रस्ट और 500 करोड़ से अधिक की कुल संपत्ति वाले पंजीकृत मध्यस्थों सहित अन्य संस्थानों का समूह शामिल है। दिग्गज निवेशकों का म्यूचुअल फंड पसंदीदा निवेश का साधन बन चुका है। इसका उदाहरण यह है कि 10,000 करोड़ रुपये के आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का आईपीओ खुलने से पहले ही 4,815 करोड़ का निवेश किया गया है। शुक्रवार से खुलने वाले इश्यू में झुनझुनवाला परिवार, मधुसूदन केला सहित 26 निवेशकों ने दांव लगाया है।

घाटकोपर की झुग्गी से कहानी शुरू, आज 40 से ज्यादा देशों में फैला है कारोबार

दुबई या संयुक्त अरब अमीरात ही नहीं बल्कि पूरे खाड़ी देशों की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी के चेयरमैन हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
डेन्यूब ग्रुप के संस्थापक रिजवान साजन ने वह दिन देखा है जो किसी को नहीं देखना पड़े। 16 साल की उम्र में पिता का साया सर से हट गया। पिताजी के नहीं रहने के बाद सुबह 4 बजे उठ कर घर-घर दूध और अखबार पहुंचाया। सकड़ों पर चादर बिछा कर त्योहारों में पटाखे और राखियां भी बेचीं। आज रिजवान साजन दुबई या संयुक्त अरब अमीरात ही नहीं बल्कि पूरे खाड़ी देशों की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी के चेयरमैन हैं। उनकी कंपनी का टर्नओवर 4 बिलियन डॉलर हो गया है। इस समय 40 से अधिक देशों में उनका ग्रुप काम कर रहा है और उनकी कंपनी में करीब 6,000 लोग काम करते हैं। जानते हैं रिजवान साजन की कहानी।

घाटकोपर की झुग्गी से है संबंध

रिजवान साजन का जन्म जब हुआ, तब उनके माता-पिता मुंबई के घाटकोपर इलाके की झुग्गी में रहते थे। उनके पिता की एक छोटी सी नौकरी थी, लेकिन बड़ा परिवार था इसलिए अच्छे इलाके में नहीं रह सकते थे। लेकिन उन्होंने हिम्मत कर महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक योजना में चॉल के लिए आवेदन कर दिया। लॉटरी में उनके नाम चॉल का एक मकान निकल गया। उस समय चॉल का मकान खरीदने में 33 फीसदी सब्सिडी सरकार की तरफ से मिलती थी, 33 फीसदी लोन मिल जाता था और 33 फीसदी खुद चुकाने होते थे। उनके पिता ने 33 फीसदी रकम का इंतजाम किसी तरह किया और चॉल वाला मकान ले लिया।

अग्रसोची थे रिजवान के पिता

रिजवान साजन के पिता की आमदनी भले ही कम थी, लेकिन अग्रसोची थे। इसलिए उन्होंने अपने बेटे का एडमिशन घाटकोपर के मशहूर फातिमा कॉनवेंट स्कूल में कराया। हालांकि, उसका फीस बड़ी मुश्किल से भर पाते थे। लेकिन वहां तो पढ़ते थे बड़े घर के बच्चे, जो कैंटीन में खाने-पीने पर खूब पैसे उड़ाते थे। रिजवान को जेब खर्च ना के बराबर मिलता था। वह चाहते थे कि अपने दोस्तों की तरह वह भी कैंटीन में खाए-पिए और मौज उड़ाए। इसके लिए पिता से बात की और सुब सुबह दूध, अखबार आदि बांटने का

काम पकड़ लिया। इससे उन्हें महीने में 100-150 रुपये मिल जाते थे। इससे उनका कैंटीन का खर्च निकल जाता था।

16 साल में घर चलाने की जिम्मेदारील
रिजवान साजन के सर पर 16 साल में ही घर चलाने की तब जिम्मेदारी आन पड़ी, जब उनके पिताजी अक्टूबर 1980 में एक दुर्घटना के शिकार हो गए। पिता के नहीं रहने से उनकी पढ़ाई छूट गई। घर में थीं मां, 8 साल का छोटा भाई और एक बहन। पिता जहां काम करते थे, वहां नौकरी मिली, लेकिन पर्याप्त आमदनी नहीं हो पाती थी। इसलिए सुबह साढ़े चार बजे दूध बांटते थे, सात बजे से पढ़ाई और 10 बजे से शाम छह बजे तक ऑफिस। इससे घर की गाड़ी चलने लगी। यही नहीं, वह दिवाली और सबे बारात जैसे त्योहारे पर पटाखे बेचते थे तो रक्षा बंधन में राखियां। ताकि दो पैसे ज्यादा कमा सके। वह बताते हैं कि बाजार में जो भी सामान बिकता, वह उसे बेचते।

कुवैत से मिला नौकरी का ऑफर तो बदली किस्मत

इस बीच उनके एक रिश्तेदार के जरिए कुवैत में नौकरी का ऑफर मिला। काम था सेल्समैन का। वह साल था 1982 का। उस समय कुवैत के एक दीनार की कीमत भारतीय रुपए में 12.5 रुपये होती थी। भारत में तब वह 6,000 रुपये महीने की नौकरी करते थे और कुवैत में 1,500 दीनार (18,000 रुपये) महीने की पगार पर नौकरी मिली। ऊपर से सेल्स पर कमीशन भी मिलता था। मानों लॉटरी लग गई। वह सामान बेचने में माहिर थे, इसलिए खूब तरक्की पाई। तीन-चार साल में ही उनका वेतन 1,500 से 15,000 दीनार हो गया। ऊपर से हर महीने 50,000 दीनार का कमीशन अलग। इस पैसे से उन्होंने टोयोटा का लैंड क्रूजर खरीदा। अपनी बहन की शादी कराई। बांद्रा में मकान खरीदा और खुद की भी शादी की। सबकुछ सही चल रहा था कि कुवैत पर सद्दाम हुसैन का साया पड़ा। दो अगस्त 1990 को कुवैत पर इराक का हमला हो गया। उस समय उनका बेटा आदिल साजन एक साल का था। उन्हें कुवैत से जान बचा कर मुंबई भागना पड़ा। वह बताते हैं कि किसी तरह कार्गो प्लेन में बैठ कर मुंबई पहुंचे। मुंबई में कहीं नौकरी के लिए जाते तो पूछते तुम्हारे पास डिग्री क्या है? डिग्री के बिना वहां कोई नौकरी ही नहीं मिली।

दुबई से मिला ऑफर: रिजवान साजन मुंबई में जब नौकरी ढूंढते-ढूंढते थक गए, तब उन्होंने पुराने संबंधों को खंगालना शुरू किया। उनका एक दोस्त दुबई में रहता था। उन्होंने उसी दोस्त को मदद की चिट्ठी लिखी। जब वह कुवैत में थे तो उनके लिए वह काम करते थे। उस दोस्त ने उन्हें 1993 में उन्हें दुबई बुला लिया और हार्डवेयर का सामान बेचने के काम में लगा दिया। सेल्स का काम तो उन्हें भाता था ही, फिर से नए सिरे से काम शुरू कर दुबई में वह हार्डवेयर का सामान बेचने का इतना बढ़िया काम किया कि सैलेरी के अलावा 8-10 हजार दिरहम का कमीशन मिल जाता था। जब कुछ रकम जमा हुआ तो उन्होंने कंस्ट्रक्शन मैटेरियल बेचने का अपना काम शुरू किया।

खरमास में करें सूर्य देव की उपासना

खरमास में मंगल कार्यों (शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार, नूतन गृह प्रवेश इत्यादि) को करना उत्तम नहीं बताया गया है। गुरु का ध्यान सूर्य देव पर रहता है। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती।

काशी पंचांग के अनुसार सूर्य जब गुरु की राशि धनु या मीन में विराजमान रहते हैं, तो उस घड़ी को खरमास माना जाता है और खरमास में मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं। खरमास की इस अवधि में जनेऊ संस्कार, मुंडन संस्कार, नव गृह प्रवेश, विवाह आदि नहीं करना चाहिए। इसे शुभ नहीं माना गया है, वहीं विवाह आदि शुभ संस्कारों में गुरु एवं शुक्र की उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। ये सुख और समृद्धि के कारक माने गए हैं। खरमास में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, किंतु मंगल शहनाई नहीं बजती। इस माह में सभी राशि वालों को सूर्य देव की उपासना अवश्य करनी चाहिए।

गुरु का ध्यान सूर्य देव पर

इसका एक धार्मिक पक्ष यह भी माना जाता है कि सूर्य देव जब बृहस्पति के घर में प्रवेश करते हैं, तो देव गुरु का ध्यान एवं संपूर्ण समर्पण उन पर ही केंद्रित हो जाता है। इससे मांगलिक कार्यों पर उनका प्रभाव सूक्ष्म ही रह जाता है जिससे कि इस दौरान शुभ कार्यों का विशेष लाभ नहीं होता इसलिए भी खरमास में मंगल कार्यों को करना उत्तम नहीं बताया गया है।

खरमास में क्यों नहीं होते मांगलिक कार्य

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार, सूर्य जब गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करते हैं तो वह अपने गुरु की सेवा में लग जाते हैं और उनका प्रभाव कम हो जाता है। यही वजह है कि इस वक्त कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है। यह भी माना जाता है कि खरमास के दौरान गुरु का बल भी कमजोर हो जाता है और शुभ कार्य के वक्त सूर्य और गुरु दोनों का ही शुभ स्थिति में होना जरूरी है इस वजह से खरमास में कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है।

खरमास के दौरान क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए?

सनातन धर्म में खरमास को विशेष महत्व दिया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, साल में दो बार खरमास का महीना आता है। यह अवधि लगभग 30 दिनों की होती है। मान्यता है कि इस दौरान शादी-विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस समय भगवान सूर्य की उपासना का विशेष विधान है। खरमास में भगवान सूर्य की विधि-विधान से पूजा करने से कई गुना फल मिलता है। इस दौरान सूर्य देव को जल अर्पित करना और वैदिक मंत्रों का जाप करना विशेष लाभदायक होता है। अब ऐसे में दिसंबर में खरमास कब से लग रहा है और इस दौरान सूर्यदेव की पूजा का महत्व क्या है और किन मंत्रों का जाप करने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में खरमास को एक विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में सूर्य देव धनु या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, जिसके कारण शुभ और मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। शादियों जैसे अनुकूल आयोजनों को आमतौर पर इस दौरान स्थगित कर दिया जाता है। खरमास के दौरान भगवान विष्णु और सूर्य देव की आराधना का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस अवधि में इन देवताओं की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और खुशियां आती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दौरान कुछ विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। अब ऐसे में खरमास के दौरान क्या करना चाहिए और किन चीजों को करने से बचना चाहिए। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

खरमास में क्या करना चाहिए?

- खरमास में भगवान सूर्य और विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। सूर्यदेव को जल अर्पित करना और विष्णु भगवान की आराधना करने से मन शांत होता है और आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- ओम घृणि सूर्याय नम : और अन्य सूर्य मंत्रों का जाप करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा, आप अपने इष्टदेव के मंत्रों का भी जाप कर सकते हैं।
- खरमास में तुलसी को नियमित रूप से पूजा-पाठ करें और नियमित रूप से जल दें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसा माना जाता है कि तुलसी में माता लक्ष्मी का वास होता है और नियमित पूजा से धन-धान्य की प्राप्ति होती है।
- शाम के समय तुलसी के पास दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में शांति का वातावरण बनता है।
- खरमास के दौरान सूर्यदेव की पूजा विधिवत रूप से करें और सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करें।
- खरमास में सूर्यदेव को अर्घ्य देने से आयु में वृद्धि होती है और दीर्घायु का वरदान प्राप्त होता है।
- खरमास में दान-पुण्य जरूर करें। इससे जीवन में सभी परेशानियां दूर हो सकती है।

खरमास में क्या नहीं करना चाहिए?

- खरमास में कोई भी शुभ काम करने से बचना चाहिए। जैसे कि अगर आप इस दौरान व्यापर, नया प्रोजेक्ट या फिर नई काम शुरू करना चाहते हैं, तो इस समय करने से बचना चाहिए।
- खरमास में गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन औप उपनयन संस्कार करने की भी मनाही होती है।
- खरमास में बेटी की विदाई भी नहीं करना चाहिए।
- खरमास में अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं, तो इस समय लेने से बचें। वाहन खरीदने से दुर्घटना की स्थिति बनती है।
- खरमास में किसी भी व्यक्ति का अपमान नहीं करना चाहिए।

खरमास में किन मंत्रों का जाप करना चाहिए?

खरमास का आरंभ 16 दिसंबर से हो रहा है। खरमास में पूजा-पाठ और हवन-अनुष्ठान का बहुत महत्व माना जाता है। खरमास के दौरान जहां एक ओर मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है तो वहीं, दूसरी ओर इस माह में पुण्यकर कार्य करना बहुत शुभ माना जाता है। इसके अलावा, इस माह में मंत्र जाप करना भी बहुत उत्तम माना जाता है। इसी कड़ी में जानते हैं कि आखिर खरमास के दौरान किन मंत्रों का जाप किया जाता है और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

खरमास में किन मंत्रों का जाप करें?

महामृत्युंजयमंत्र – ऊँ त्र्यंम्बकं यजामहे सुगंधिं पूष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मां अमृतात॥

महामृत्युंजय मंत्र को जीवन में खुशहाली और स्वास्थ्य के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है। यह मंत्र मृत्यु के भय को दूर करता है और जीवन को सुरक्षा प्रदान करता है। इस मंत्र के जाप से मृत्यु तक का योग टल जाता है। ऐसे में खरमास के दौरान इस मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए।

गायत्री मंत्र – ऊँ भूर्भुव : स्व :, तत्सवितुर्वरेण्यं, भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो न : प्रचोदयात॥

यह मंत्र आत्मिक उन्नति और मानसिक शांति के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। गायत्री मंत्र का जाप करने से आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। इसके अलावा, इस मंत्र के जाप से व्यक्ति के भीतर दिव्यता का संचार होता है और ज्ञान में भी बढ़ोतरी होने लग जाती है।

श्रीसूक्त मंत्र – ऊँ श्रीं महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णुपत्नी च धीमहि। तन्नो लक्ष्मी : प्रचोदयात॥

श्रीसूक्त का पाठ मां लक्ष्मी की पूजा में किया जाता है। खरमास में यह मंत्र घर में समृद्धि और धन की वृद्धि के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है। ऐसा माना जाता है कि खरमास में भगवान विष्णु की कृपा पानी है तो मां लक्ष्मी के इस पाठ का जाप रोजाना अवश्य करना चाहिए।

हनुमान मंत्र– ऊँ हं हनुमते नम : ॥

खरमास में हनुमान जी के इस मूल मंत्र का जाप करने से जीवन में आने वाले संकट दूर हो जाते हैं और बुरी नजर एवं नकारात्मक ऊर्जाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति में बल, निर्भीकता और दृढ़संकल्प जागृत होता है। भक्ति भी व्यक्ति में बढ़ती है।

भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए सफला एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

पौष माह के कृष्ण पक्ष की सफला एकादशी इस साल 15 दिसंबर को पड़ रही है। सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन श्री हरि नारायण की आराधना करने से सभी कार्यों में सफलता मिलती है।

इस दिन किया गया दान अक्षय फलों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि सफला एकादशी के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए।

सफला एकादशी पर करें अनाज का दान

अनाज को सुख-समृद्धि का

प्रतीक माना जाता है ऐसे में सफला एकादशी के दिन धान, गेहूं, चावल, आदि का दान करना अत्यंत पुण्यकारी सिद्ध हो सकता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और घर की उन्नति के मार्ग खुलते हैं।

सफला एकादशी पर करें तुलसी का दान

सफला एकादशी के दिन तुलसी के पौधे का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। तुलसी को भगवान विष्णु की प्रिय माना जाता है, ऐसे में खासतौर पर किसी भी श्री हरि विष्णु के मंदिर में तुलसी का दान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी का वास होता है।

सफला एकादशी पर करें गौ का दान

सफला एकादशी के दिन गौ का दान करने से घर में दिव्य ऊर्जाओं का वास स्थापित होता है। साथ ही, सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है और ग्रह दोष अगर कुंडली में परेशान कर रहा है तो उससे भी व्यक्ति को छुटकारा मिलता है।

सफला एकादशी पर करें सुपारी का दान

सफला एकादशी के दिन सुपारी का दान करने से धन, ऐश्वर्य, संपदा में वृद्धि होती है। घर में शुभता का आगमन होता है और घर पर आया हुआ हर्ब संकट टल जाता है। सफला एकादशी के दिन सुपारी दान करने से तरक्की के मार्ग खुलते हैं।

सफला एकादशी पर करें वस्त्रों का दान

स्वच्छ और नए कपड़े का दान करना भी सफला एकादशी के दिन बहुत शुभ होता है। यह दान न केवल पुण्य देता है, बल्कि इस दिन वस्त्रों का दान करने से जीवन में कभी भी धन का अभाव नहीं होता है और धन-धान्य हमेशा बना रहता है।

हिन्दू धर्म में बहुत महत्व रखता है खरमास

खरमास हिन्दू धर्म और ज्योतिष में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करने से पहले शुभ समय या मुहूर्त जरूर देखा जाता हैं। साथ ही सूर्य के चाल भी देखते हैं, क्योंकि सूर्य जब धनु और मीन राशि में आते हैं तब खरमास लग जाता है। अतः शुभ कार्यों को करने की मनाही है। खरमास से संबंधित खास नियम, जिनका पालन करना है आवश्यक

- खरमास 14 जनवरी तक जारी रहेगा। अत : इस समय में सगाई, शादी, वधु प्रवेश, गृह प्रवेश, घर निर्माण, नया व्यापार का आरंभ तथा किसी भी तरह का कोई भी मांगलिक कार्य ना करें।
- खरमास में पूरे महीने में सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके प्रतिदिन चढ़ते सूरज को अर्घ्य अर्पित करें, यह सेहत, समृद्धि के लिए लाभदायी रहेगा और ऐसा करने से शुभ फल भी मिलेगा।
- इस महीने भगवान श्री कृष्ण के प्रसन्न करने के लिए गौशाला जाकर गौमाता को गुड़, हरा चना खिलाएं और उनका पूजन करें।
- यदि गौशाला जाना प्रतिदिन संभव ना हो तो घर में गाय की मूर्ति या तस्वीर लगाकर उसका पूजन करें।
- खरमास के महीने में आप जितने असहाय और गरीबों की मदद करेंगे उतना लाभ मिलेगा, क्योंकि खरमास ही एक ऐसा महीना है जिसमें दान और पुण्य करने का सबसे अधिक फल मिलता है।
- प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर श्री विष्णु का केसर मिले दूध से अभिषेक करें और कम से कम 11 बार विष्णु मंत्र- 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नम :' का तुलसी की माला से जाप करें।
- खरमास को मलमास भी कहा जाता है। इस माह आने वाली सभी एकादशियों का व्रत-उपवास करके भगवान श्री विष्णु का पूजन करें और उन्हें तुलसी के पत्तों के साथ खीर का भोग लगाएं।
- हिन्दू धर्म में इस महीने को शुभ नहीं माना जाता है। अत : हिन्दू धर्म के विशिष्ट व्यक्तिगत संस्कार भी निषेध हैं, जैसे नामकरण, यज्ञोपवीत, शुभ विवाह और कोई भी धार्मिक संस्कार नहीं करें।
- जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हो उन्हें सूर्यदेव का पूजन, अर्घ्य, उपासना आदि इस माह अवश्य करना चाहिए।
- इस माहपर्यंत श्री विष्णु का पूजन करके तीर्थस्थान पर जाकर स्नान-दान करने का भी विशेष महत्व है।
- इस महीने नई वस्तुएं, नया घर, प्लॉट, घर अथवा कार या इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी नहीं करनी चाहिए।
- नौकरी अथवा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए खरमास की नवमी तिथि को छोटी कन्याओं को भोजन करवाएं, यह पुण्य फलदायी कार्य होगा।
- इस माह में बुरे अथवा कुविचारों को त्यागें, बुरी आदतें और नशे की लत हो तो छोड़ दें, दुराचार आदि का भी त्याग करके धार्मिक कार्यों में मन लगाएं।
- इस महीने में प्रतिदिन सूर्यदेव की उपासना करके आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।
- इस माह सायंकाल के समय सूर्यदेव की आराधना करने से जहां जीवनपर्यंत भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है, वहीं अन्न, जल आदि किसी भी वस्तु की जीवन में कमी नहीं रहती।
- यश-कीर्ति की चाह रखने वालों को, उत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा, संतान और करियर में सफलता के लिए प्रतिदिन प्रात :काल में उग रहे लाल सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
- इस महीने अपने इष्टदेव की पूजा-अर्चना और सेवा करने तथा दान-पुण्य देने से पुण्य का संचय होता है।
- खरमास में पीपल वृक्ष का पूजन करना शुभ फलदायी माना जाता है, क्योंकि पीपल में भगवान श्री विष्णु का वास माना जाता है।

डब्ल्यूबीबीएलः

मूनी की तूफानी पारी, सिक्सर्स के खिलाफ जीत के साथ फाइनल में स्कॉर्चर्स

सिडनी, एजेंसी। पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के चैलेंजर्स मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। अब यह टीम शनिवार को फाइनल में होबार्ट हेरिकेंस से भिड़ेगी। नॉर्थ सिडनी ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 183 रन बनाए। इस टीम के लिए केटी मैक और बेथ मूनी ने 7.2 ओवरों में 66 रन की साझेदारी की। मैक

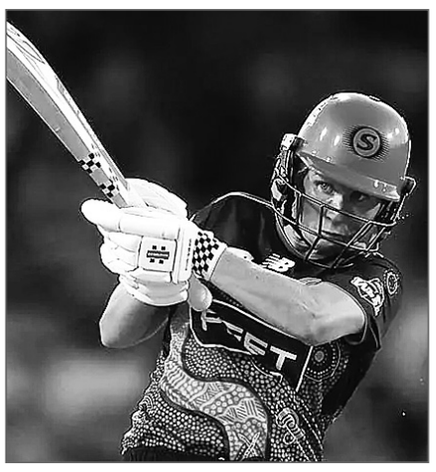

30 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। यहां से बेथ मूनी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने महज 44 गेंदों में 11 चौकों और 1 छक्के के साथ 76 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। इनके अलावा, पेज स्कोफील्ड ने 14 रन, जबकि अलाना किंग ने 11 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से कप्तान एश्ले गार्डनर ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मैतलान ब्राउन और अमेलिया केर ने 2-2 विकेट निकाले। लॉरेन चीटल ने एक विकेट हासिल किया। इसके जवाब में सिडनी सिक्सर्स की टीम 20 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इस टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। सोफी डंकले ने एलिस पेरी के साथ 7.3 ओवरों में 58 रन की साझेदारी की। एलिस 22 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सोफी ने 30 गेंदों में 41 रन टीम के खाते में जोड़े। टीम 74 के स्कोर तक तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अमेलिया केर ने कप्तान एश्ले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 53 रन जुटाते हुए टीम को 127 के स्कोर तक पहुंचा दिया था, लेकिन इसी बीच गार्डनर (26) ने अपना विकेट गंवा दिया। अमेलिया ने 29 गेंदों में 6 चौकों के साथ 42 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। विपक्षी टीम की तरफ से अलाना किंग ने 17 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि क्लोई आइन्सवर्थ, रूबी स्ट्रैंज और लिल्ली मिल्स ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप

अब अगले साल 4 जनवरी से ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर का पॉल्यूशन लोगों की सांस ही नहीं रोक रहा, बल्कि खेल कार्यक्रमों को भी प्रभावित कर रहा है। इसके चलते नोएडा में होने वाली नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तारीखों में बॉक्सिंग संघ ने बदलाव किया है। यह पहला मौका

होगा, जबकि महिला और पुरुष वर्ग के मुकाबले एक साथ हो रहे हैं। हरियाणा के कई बॉक्सर इसमें अपने पंच का दम दिखाएंगे। बॉक्सिंग संघ के अनुसार 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा।

सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल!

वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदा परेश सरफरे, रत्नागिरी, महाराष्ट्र की एक नन्ही बच्ची, 100 मीटर की की तैराकी करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की तैराक बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 1 साल 9 महीने की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना ली है। भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं।

नौ महीने में शुरू हुआ वेदा का प्रशिक्षण- वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरुआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली। उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया।

रत्नागिरी के स्विमिंग पूल में पूरा किया रिकॉर्ड तैराकी प्रयास- इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 25म22 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की। उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, 'उन्होंने 25म22 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की।'

'देश की सबसे कम उम्र की तैराक'

वेदा के कोच महेश मिल्के ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'कड़ी मेहनत और लगातार प्रशिक्षण के साथ, मात्र 21 महीने की इस बच्ची ने यंगेस्ट स्विमर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।' उनके अनुसार, यह उपलब्धि न केवल वेदा बल्कि भारत में बाल प्रतिभा के विकास का भी एक बड़ा उदाहरण है।

5 छक्का लगा वर्ल्ड क्रिकेट में मचा दिया तहलका

तिलक वर्मा बने नंबर 1

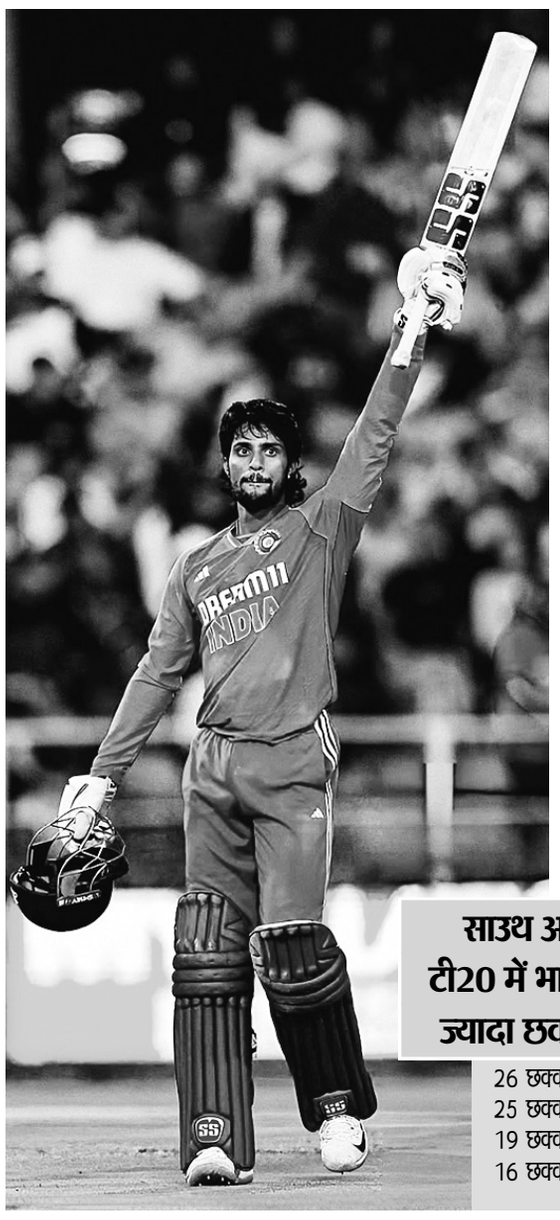

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में न्यू चंडीगढ़ में जहां अन्य भारतीय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझते नजर आए वहीं तिलक वर्मा ने खूब संघर्ष किया और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेली। भारत ने एक समय पर 67 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बादवूज तिलक वर्मा ने धैर्य बनाए रखा और अच्छी पारी खेलने में कामयाब रहे। तिलक वर्मा को अगर इस मैच में दूसरे छोर से किसी एक या दो बल्लेबाज का भी साथ मिला होता तो कहानी बदल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और भारत को 51 रन से हार मिली। तिलक वर्मा ने इस मैच में 34 गेंदों पर 62 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 5 जबरदस्त छक्के और 2 चौके भी जड़े साथ ही इन चौकों की मदद से कप्तान सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

सूर्यकुमार यादव से आगे निकले तिलक वर्मा

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में भी जारी रहा जिसमें वो 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20आई में अब वो भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी नहीं रहे। तिलक वर्मा ने दूसरे मैच में 5 छक्के लगाए और वो अब भारत की तरफ से टी20आई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बने। साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक तिलक वर्मा ने टी20आई में 8 पारियों में 26 छक्के लगा चुके हैं जबकि सूर्यकुमार यादव ने इस टीम के खिलाफ अब तक 12 पारियों में 25 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने इस टीम के खिलाफ 4 पारियों में 19 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा ने 16 पारियों में 17 छक्के लगाए थे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर

26 छक्के - तिलक वर्मा - 8 पारी
25 छक्के - सूर्यकुमार यादव - 12 पारी
19 छक्के - संजू सैमसन - 4 पारी
16 छक्के - रोहित शर्मा - 17 पारी

हमेशा अभिषेक से उम्मीद नहीं की जा सकती

हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगाः सूर्या

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले को 51 रन से जीता। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि उन्हें और शुभमन गिल को क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकारा है कि टीम को साउथ अफ्रीका से सीखना होगा। मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'साउथ अफ्रीका को पहली इनिंग से ही पता चल गया था कि किस लेंथ पर बॉलिंग करनी है। यहां थोड़ी ओस थी। अगर पहला प्लान काम नहीं करता, तो हमें दूसरा प्लान अपनाना चाहिए था। हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा।' सूर्यकुमार यादव इस मुकाबले में सिर्फ 5 ही रन बना सके, जबकि शुभमन गिल अपनी पहली ही गेंद पर लुंगी एनगिडी को विकेट दे बैठे। इस पारी में अभिषेक शर्मा ने 8 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 17 रन बनाए। भारतीय कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं और शुभमन गिल मिलकर एक अच्छी शुरुआत दे सकते थे क्योंकि हम हर समय अभिषेक शर्मा पर भरोसा नहीं कर सकते। जिस तरह से वह बैटिंग कर रहे हैं, उनका दिन खराब हो सकता है।

मुझे, शुभमन और कुछ दूसरे बल्लेबाजों को भारतीय पारी को संभालना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह एक स्मार्ट चेज होता।

मुझे वह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। थोड़ी और गहराई से बैटिंग करनी चाहिए थी। लेकिन हां, हम सीखते हैं, हम कोशिश करते हैं और आने वाले अगले गेम में बेहतर करते हैं। हम देखेंगे कि अगले गेम में हमारे लिए क्या होता है। इस मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 213 रन बनाए। इस पारी में क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में 7 छक्कों और 5 चौकों के साथ 90 रन जोड़े, जबकि डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। इसके जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवरों में महज 162 रन पर सिमट गई। भारत की तरफ से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों में 62 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट 9 विकेट से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई; डफी ने मैच में 6 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 9 विकेट से हरा दिया है। कीवी टीम ने इस जीत के साथ 3 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला टेस्ट ड्रॉ हुआ था।

दूसरा टेस्ट महज 3 दिन में खत्म हो गया। शुक्रवार को तीसरे दिन जैकब डबी की शानदार गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 56 रन का टारगेट मिला। जिसे टीम ने सिर्फ 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। डफी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का आखिरी और तीसरा टेस्ट गुरुवार से बे ओवल में शुरू होगा।

वेस्टइंडीज दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर सकी- वेलिंगटन टेस्ट में वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 205 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने 9 विकेट के नुकसान पर 278 बनाए। फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए ब्लेयर टिकनर ने बल्लेबाजी नहीं की थी। ऐसे में टीम को 73 रन की बढ़त मिली। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई और न्यूजीलैंड को 56 रन का टारगेट मिला।

डफी ने 5 और माइकल ने 3 विकेट लिए

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन की शुरुआत 32/2 के स्कोर से की। टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 128 रन बना सकी। केवेम हॉज ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स 25, ब्रेंडन किंग 22 और जॉन जॉन कैंपबेल 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बाकी 7 बैटर्स डबल डिजिट में भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी ने 5 विकेट लिए। माइकल रे ने 3 और जैक फोल्क्स ने 1 विकेट हासिल किया। 56 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कीवी टीम के लिए डेवोन कॉनवे 28 और केन विलियमसन 16 रन बना कर नाबाद लौटे। कप्तान टॉम लैथम 28 बॉल पर 9 रन बनाए। उन्हें एंडरसन फिलिप ने हॉज के हाथों कैच कराया।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप

एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

सिंधू और लक्ष्य टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पीवी सिंधू अगले साल फरवरी में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। इसमें लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी भी हिस्सा लेगी। अगले साल चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित हो गई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट तीन से आठ फरवरी तक होगा। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है, जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं।

सिंधू करेंगी अगुआई- भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा, 'रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुआई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करेंगी।' दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे, जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है। सात्विक-चिराग पुरुष युगल वर्ग में अगुआई करेंगे जिसमें गुवाहाटी मास्टर्स के उप विजेता साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय के साथ हरिहरन अमसाकरुणन भी शामिल हैं। महिला वर्ग में सिंधू को एकल में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री संतोष रामराज और मालविका बंसोड़ का साथ मिलेगा।

न्यूज डायरी

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बयान दर्ज करने में देरी पर एएसआई को निलंबित करने के दिए आदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कैथल में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में पीड़िता के बयान दर्ज करने में देरी करने पर एएसआई को निलंबित करने के आदेश दिए। इसी मामले में एडीसी की अगुवाई में एक कमेटी गठित कर जांच के आदेश किए। साथ ही धोखाधड़ी के एक केस को करनाल स्थानांतरित कर वहां की जांच उपरांत रद्द किए जाने के मामले की जांच पंचकुला पुलिस कमिश्नर से करवाए जाने के आदेश किए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही न बरती जाए, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में कुल 17 मामले रखे गए। एक दंपत्ति की शिकायत पर उनकी पुत्री को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने पीड़िता के अस्पताल से ब्यान दर्ज करने में देरी मिलने पर जांच अधिकारी पूंडरी थाना में कार्यरत एएसआई को सस्पेंड करने के आदेश दिए। साथ ही मामले में एडीसी की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर गहनता से जांच कर 10 दिन के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

शिकायत में ऋषि नगर निवासी नीतू मौण ने वर्ष 2020 में अपने भाई की हत्या के मामले में किसी की गिरफ्तारी न होने की शिकायत पर पिछली बैठक में उन्होंने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाए जाने के आदेश दिए थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग ने इस संबंध में पत्राचार कर दिया है। अन्य शिकायत में कैथल निवासी संध्या की परिवार पहचान पत्र में किसी अन्य महिला का नाम जोड़े जाने पर उन्होंने सीएससी संचालक तथा मालिक के खिलाफ मामला दर्ज गहनता से जांच करने के निर्देश दिए। गांव क्योड़क निवासी राजपाल आर्य की नेट हाउस की सब्सिडी न दिए जाने की शिकायत की कमेटी द्वारा जांच की गई। जिसमें कमेटी ने संबंधित विभाग द्वारा सब्सिडी दिए जाने की अनुशंसा कर शिकायत का निपटान कर दिया। एक अन्य शिकायत में कैथल निवासी महिला ने उसकी पुत्री को दो युवकों द्वारा अश्लील मैसेज भेजने व आते-जाते समय परेशान करने पर पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने इस केस की गहनता से जांच करने के आदेश दिए।

हरियाणा ने डिजिटल कृषि मिशन में बढ़ाई रफ्तार

किसान रजिस्ट्री और डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए राज्यभर की तैयारियों की समीक्षा कर रही हैं डॉ. सुमिता मिश्रा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि क्षेत्र में एक ऐतिहासिक डिजिटल बदलाव की तैयारी कर रहा है। राज्य सरकार किसान-रजिस्ट्री (एग्रीस्टैक) और डिजिटल क्रॉप सर्वे (DCS) की शुरूआत के लिए सभी प्रमुख कदमों को अंतिम रूप दे रही है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्त आयुक्त, डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज इसकी प्रगति की समीक्षा की।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि विभाग हरियाणा के लगभग 1.78 करोड़ भूमि खंडों पर टीमों को सक्रिय करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो देश के सबसे बड़े डिजिटल कृषि अभियानों में से एक है। हरियाणा सरकार ने किसान-रजिस्ट्री कैंप 1 जनवरी 2026 से और डिजिटल क्रॉप सर्वे 1 फरवरी 2026 से शुरू करने का कार्यक्रम तय किया है। उन्होंने कहा कि ये दोनों पहलें हरियाणा के एग्रीस्टैक विजन की आधारशिला हैं, जिसका उद्देश्य किसानों और उनकी फसलों का एकीकृत, सटीक और पारदर्शी डेटा आधार तैयार करना है। बैठक के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि विभाग 9 दिसंबर को ही सभी आवश्यक डेटा केंद्रीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (CPMU) के साथ साझा कर चुका है और जिसमें बकेटिंग प्रक्रिया अभी उक्त यूनिट स्तर पर लंबित है। इसे पंचकूला जिले के लिए 16 दिसंबर तक पूरा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे पोर्टल अभी तक चालू नहीं हुआ है और केंद्रीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट से आग्रह किया कि पोर्टल की स्थिति और अपलोड किए गए सर्वे डेटा की अद्यतन जानकारी तुरंत साझा की जाए, ताकि 1 फरवरी की अंतिम तिथि तक बिना किसी देरी के पूरी की जा सके।

पंचकूला में आयुर्वेद महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ, पहले दिन उमड़ी भारी भीड़—राज्यपाल बोले, "आयुर्वेद भविष्य की वैश्विक चिकित्सा"

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में शुक्रवार को आयुर्वेद महोत्सव 2025 का शुभारंभ अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में हुआ। हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष तथा लेडी गवर्नर ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत की। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

आयोजन के पहले ही दिन आम जनता की भारी भीड़ देखने को मिली। लोग बड़ी संख्या में आयुर्वेद से संबंधित जानकारी लेने पहुंचे और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों से आयुर्वेदिक उत्पाद खरीदते हुए भी दिखाई दिए। उपस्थित लोगों में आयुर्वेद के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता देखने को मिली।

राज्यपाल असीम कुमार घोष ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार प्रणाली नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली है, जो मन, शरीर और आत्मा को संतुलित बनाए रखती है। उन्होंने कहा कि आज की बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के बीच आयुर्वेद सबसे प्रभावी और भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति बनकर उभर रहा है। उन्होंने इसे भविष्य की वैश्विक चिकित्सा बताते हुए कहा कि भारत के पास इस क्षेत्र में नेतृत्व की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्यपाल ने समारोह के दौरान आयुर्वेद में विशिष्ट योगदान देने वाले संस्थानों और विशेषज्ञों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी ने कहा कि आने वाला समय पूरी तरह आयुर्वेद का होगा। उन्होंने बताया कि हमारे बुजुर्ग प्राकृतिक चिकित्सा और घरेलू उपचारों पर भरोसा करते थे, और आज वैज्ञानिक प्रमाण भी आयुर्वेद की प्रभावशीलता को सिद्ध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को आधुनिक तकनीक, नवीन शोध और वैश्विक मानकों से जोड़कर इसे दुनिया की मुख्यधारा चिकित्सा प्रणाली बनाया जा सकता है।

सम्मेलन के संरक्षक वैद्य राकेश शर्मा ने कहा कि यह महोत्सव समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उनके अनुसार देशभर से आए विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और आधुनिक दृष्टिकोण साझा कर रहे हैं, जिससे आयुर्वेद का वैज्ञानिक आधार और भी मज़बूत बनेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख विशेषज्ञों में संजय टंडन, अजीत पाल सिंह, संचित शर्मा, तरनजीत सिंह भरना, रामपाल सोमानी और हितेश जानी शामिल रहे। इन सभी विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की आधुनिक दिशा, तकनीकी उन्नति और वैश्विक संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ी।

महोत्सव के सफल संचालन में आयोजन टीम का विशेष योगदान रहा, जिसमें ऋषभ दीक्षित, जय सोनी, मन्या दीक्षित, योगिता भाटी और शिधि मिश्रा शामिल रहे। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और बेहतर समन्वय के कारण महोत्सव का संचालन पहले ही दिन से सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रहा।

प्रदर्शनी में 4000 से अधिक चिकित्सक, देशभर से आए आयुर्वेदाचार्य और 100 से अधिक औषधि निर्माता अपनी शोध आधारित औषधियाँ और तकनीकें प्रदर्शित कर रहे हैं। वहीं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, योग सत्र, परामर्श केंद्र और दवा वितरण स्टॉलों पर पूरे दिन भारी भीड़ उमड़ी रही, जिससे आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। पंचकूला में आयोजित यह महोत्सव न केवल आयुर्वेद की वैज्ञानिकता को जन–जन तक पहुँचा रहा है, बल्कि लोगों में प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति नया विश्वास और जागरूकता भी पैदा कर रहा है।

सांख्यिकीय सुदृढ़ीकरण हेतू दिवसीय क्षमता विकास और प्रशिक्षण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आर्थिक एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा सांख्यिकीय सुदृढ़ीकरण हेतू समर्थन (एस.एस.एस.) उप-योजना के तहत दो दिवसीय क्षमता विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकीय कार्य विभाग मनोज कुमार गोयल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया और इसमें विभिन्न लाइन विभागों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

निदेशक मनोज कुमार गोयल ने कहा कि सांख्यिकीय डेटा की गुणवत्ता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया ताकि सटीकता, विश्वसनीयता और मजबूत परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें जो राज्य सरकार को प्रभावी योजना और नीति निर्माण में सहायता करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का विषय सांख्यिकीय सुदृढ़ीकरण को बढ़ाने, उन्नत करने के लिए मानव संसाधन विकास पर ध्यान केंद्रित करना था।

कार्यक्रम में संबंधित अनुसंधान अधिकारियों ने विभाग की विभिन्न सांख्यिकीय शाखाओं के कामकाज पर व्यापक स्तर पर प्रस्तुतियाँ दी जिनमें संकलन, आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य आय, पूंजी निर्माण, क्षेत्रीय खाते और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण शामिल हैं। इन प्रस्तुतियों में प्रत्येक शाखा की मुख्य भूमिकाओं, प्रक्रियाओं और चल रही गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में स्वर्ण जयंती प्रतिनिधि ने सतत विकास लक्ष्यों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। अतिरिक्त निदेशक श्री आर. के. मोर, श्री उप निदेशक अनिल कुमार हुड्डा, कार्यक्रम ने विभाग का संक्षिप्त परिचय दिया। विभिन्न राज्य सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इसे सफल बनाने में योगदान दिया। विभाग ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

महापौर कुलभूषण गोयल ने सेक्टर-19 और 16 में कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महापौर कुलभूषण गोयल ने मंगलवार को शहर के विकास कार्यों को नई दिशा देते हुए सेक्टर-19 के लिए दो बड़ी सौगातें दीं। बरसाती दिनों में सेक्टर में जलभराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए स्ट्रॉम वाटर लाइन एवं ड्रेनेज सिस्टम बिछाने का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना के तहत तेज बारिश के दौरान जमा होने वाले पानी की पूरी तरह निकासी संभव होगी, जिससे स्थानीय लोगों को लंबे समय से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। साथ ही सेक्टर की आंतरिक सड़कों के पुनर्निर्माण का कार्य भी शुरू किया गया है।

महापौर ने बताया कि इन दोनों परियोजनाओं पर लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा बलटाना से सेक्टर-19 को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के पुनर्निर्माण का भी शिलान्यास किया गया, जिससे आने-जाने में सुविधा बढ़ेगी और ट्रैफिक दबाव कम होगा। महापौर ने कहा कि आने वाले दिनों में सेक्टर-19 के पुराने सामुदायिक केंद्र को तोड़कर आधुनिक सुविधाओं से लैस नए भवन का निर्माण भी शुरू कर दिया जाएगा, जिसकी आधारशिला जल्द रखी जाएगी।

वार्ड पार्षद हरेंद्र मलिक ने विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा सरकार और महापौर कुलभूषण गोयल के नेतृत्व में सेक्टर-19 में करोड़ों रुपये के कार्य पूरे किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा सेक्टर में ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण, पार्कों की रेनोवेशन, बॉर्डर पर सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गेट एवं जिम की सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इन सभी कार्यों से सेक्टर-19 आज चेहरे पर एक नई चमक लिए खड़ा है।

दूसरी ओर, महापौर गोयल ने सेक्टर-16 में भी विकास की नई सौगात देते हुए मकान नंबर 282 के पास 1603 नंबर पार्क में ईपीडीएम ट्रैक का शुभारंभ किया। यह ट्रैक स्थानीय बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित व आधुनिक रनिंग सुविधा प्रदान करेगा। वार्ड पार्षद रितु गोयल ने बताया कि सेक्टर-16 में पहले भी स्पोर्ट्स स्टेडियम और ईपीडीएम ट्रैक का निर्माण हो चुका है तथा उनके वार्ड के सभी सेक्टरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आबकारी एवं कराधान विभाग की 6 ऑनलाइन सेवाओं का किया शुभारंभ

- 'कर हितैषी' मोबाइल ऐप का भी किया शुभारंभ
- हरियाणा ने पूरे देश में नेट एसजीएसटी संग्रह में सर्वाधिक 21 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज आबकारी एवं कराधान विभाग की दो प्रमुख डिजिटल पहलों की शुरुआत करते हुए शासन-प्रशासन में पारदर्शिता, दक्षता और सुगमता को नई गति प्रदान की। इन डिजिटल पहलों का उद्देश्य विभागीय प्रक्रियाओं को पूरी तरह तकनीक-आधारित बनाना, सेवाओं को समयबद्ध तरीके से आमजन तक पहुंचाना और राजस्व प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ करना है।

मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा विकसित 'कर हितैषी' मोबाइल एप्लिकेशन का लोकार्पण किया। यह ऐप आम नागरिकों को जीएसटी चोरी की जानकारी सरल और गोपनीय तरीके से देने की सुविधा प्रदान करता है। नागरिक फर्जी बिलिंग, गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट, बिना पंजीकरण कारोबार, बिल न देने, या लेन-देन छिपाने जैसी अनियमितताओं की सूचना फोटो, वीडियो या दस्तावेज़ों के साथ अपलोड कर सकते हैं। ऐप यह सुनिश्चित करता है कि सूचना देने वाले की पहचान संबंधित फील्ड अधिकारियों को न दिखाई दे। प्राप्त सूचना पर विभागीय अधिकारी आवश्यक जांच व कार्रवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे स्वैच्छिक रिपोर्टिंग को बढ़ावा मिलेगा और जीएसटी प्रशासन में पारदर्शिता मजबूत होगी।

इसके अलावा, श्री नायब सिंह सैनी ने छः नई ऑनलाइन आबकारी सेवाओं का शुभारंभ किया। ये सेवाएँ एथेनॉल, अतिरिक्त अल्कोहल (ईएनए) और डिनेचर्ड स्प्रिट से संबंधित अनुमतियों के लिए विकसित की गई हैं। अब व्यापारिक इकाइयाँ एथेनॉल और ईएनए के आयात निर्यात तथा डिनेचर्ड स्प्रिट के निर्यात आयात की अनुमति ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगी। इस प्रणाली में आवेदक आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और डिजिटल हस्ताक्षरित अनुमति पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

बैठक में बताया गया कि वास्तविक समय में डैशबोर्ड के माध्यम से माल की आवाजाही, अनुमतियों की समय-सीमा और अनुपालन की निगरानी की जा सकेगी। यह व्यवस्था कागजी कार्यवाही कम करेगी, दुरुपयोग की संभावनाएं रोकेंगी और उद्योगों को तेज व पारदर्शी सेवाएँ प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अन्य आबकारी सेवाओं जैसे ब्रांड लेबल पंजीकरण और लाइसेंसिंग मॉड्यूल को भी शीघ्र ऑनलाइन किया जाए, ताकि विभागीय प्रक्रियाओं को पूरी तरह तकनीक-आधारित बनाया जा सकेगा।

चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 83,606 करोड़, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक

मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। बैठक में विभाग के राजस्व प्रदर्शन, प्रवर्तन कार्रवाइयों, लंबित वसूली, तथा जीएसटी, वैट और आबकारी क्षेत्र में चल रहे डिजिटल सुधारों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा ने पूरे देश में नेट एसजीएसटी संग्रह में सर्वाधिक 21 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है, जबकि राष्ट्रीय औसत 6 प्रतिशत है। नवंबर 2025 में राज्य का नेट एसजीएसटी संग्रह 3,835 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 83,606 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है और राष्ट्रीय औसत 5.8 प्रतिशत से बेहतर है। बढ़ते राजस्व के आधार पर हरियाणा की रैंकिंग भी सुधारकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 6,03,389 जीएसटी पंजीकृत करदाता हैं, जिनमें 2018 से 2025 के बीच 6.11 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई है।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मूल्य वर्धित कर (वैट) और सीएसटी की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हरियाणा में वैट छः वस्तुओं पेट्रोल, डीजल, शराब, पीएजी, सीएनजी एवं सीएसटी वस्तुओं पर लागू होता है। वर्ष 2025-26 में नवंबर तक वैट वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) स्कीम-2025 का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस योजना के कारण सीएसटी संग्रह में 60.99 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। योजना के 27 सितंबर 2025 को समाप्त होने के बाद विभाग ने विशेष वसूली अभियान चलाया, जिसके तहत अक्तूबर-नवंबर 2025 में 48.12 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने वैट मॉनिटरिंग डैशबोर्ड भी विकसित किया है, जो वास्तविक समय में वैट जमा की निगरानी करता है।

साहिबज़ादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का हरियाणा सरकार का प्रयास

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के विद्यालयों में निबंध लेखन प्रतियोगिता की शुक्रवार को चंडीगढ़ से वर्चुअल शुरुआत की। यह प्रतियोगिता साहिबज़ादों—बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की अमर शहादत, साहस और अद्वितीय बलिदान के संदेश को जन - जन तक पहुँचाने का एक प्रयास है।

इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेशभर के स्कूलों से लाखों बच्चे ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ संवाद किया। उन्होंने वीर साहिबज़ादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी को नमन करते हुए सभी बच्चों से कहा कि साहिबज़ादों के बलिदान से जुड़ी कहानी को आप जितनी बार पढ़ेंगे, सुनेंगे और जानेंगे, उतने ही आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट और दृढ़ निश्चयी होंगे।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेशभर में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में चार भाषाओं - हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी और संस्कृत में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस प्रतियोगिता में वीर साहिबज़ादों के जीवन पर सारगर्भित निबंध लिखकर बच्चे अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने बच्चों को अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबज़ादों श्री जोरावर सिंह जी और श्री फतेह सिंह जी ने केवल नौ साल और छः साल की उम्र में अपने जीवन में हिम्मत और सच्चाई दिखाकर हम सबको प्रेरणा दी है। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि पूरा देश इन शूरवीरों को हमेशा याद रखे।

उन्होंने कहा कि छोटे साहिबज़ादों का बलिदान हमें सिखाता है कि छोटी उम्र में भी बड़ी जिम्मेदारी निभाई जा सकती है। इसलिए हर विद्यार्थी हिम्मत और सत्यनिष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करे, अपने संस्कारों और मूल्यों को संरक्षित रखते हुए देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दे। सभी विद्यार्थी अपना जीवन निडर होकर, कठिनाइयों का सामना करते हुए जिएं क्योंकि साहस वही दिखाता है जो सच्चाई के लिए खड़ा होता है।

साहिबजादों के जीवन से छात्र सीखें सिद्धांत, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज के मार्गदर्शक हैं। जैसे श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने साहिबज़ादों को धर्म और साहस का पाठ पढ़ाया, वैसे ही शिक्षक विद्यार्थियों के मन में संस्कार, साहस और अच्छे विचारों के बीज बो रहे हैं। उनका हर शब्द, हर शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव बनती है। बच्चों को केवल पढ़ाई में नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और चरित्र निर्माण में भी मार्गदर्शन दीजिए। आपका परिश्रम और समर्पण ही भविष्य के भारत को सशक्त बनाएगा। साहिबजादों के जीवन से छात्र सिद्धांत, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना सीखें।

प्रत्येक विद्यार्थी छोटे साहिबज़ादों के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हरियाणा का प्रत्येक विद्यार्थी छोटे साहिबज़ादों के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में उतार ले तो हमारे विद्यालय सच्चे अर्थों में मानव निर्माण के केन्द्र बन जाएंगे।

राइट टू सर्विस कमीशन ने महेंद्रगढ़ नगरपालिका की लापरवाही पर लिया संज्ञान

- स्ट्रीट लाइट मरम्मत में देरी, आयोग ने जेई को किया दंडित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने महेंद्रगढ़ नगर परिषद क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत में हुई देरी और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही पर गंभीर संज्ञान लिया है। आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मूल शिकायत 24 मार्च, 2025 को प्राप्त होने के बावजूद नगरपालिका समिति की ओर से आवश्यक लिखित निर्देश लंबे समय तक जारी नहीं किए गए। वारंटी शर्तों के अनुसार एजेंसी को सात दिनों के भीतर लाइटों की मरम्मत या प्रतिस्थापन सुनिश्चित करना अनिवार्य था, किंतु समिति द्वारा पहला लिखित ईमेल 30 अगस्त, 2025 को भेजा गया, जो न केवल चार महीने की देरी दर्शाता है बल्कि आयोग के 30 जुलाई, 2025 के अंतरिम आदेशों के लगभग एक माह बाद की गई कार्रवाई भी है। इस विलंब के परिणामस्वरूप एजेंसी को अनुचित आर्थिक लाभ मिला और उपभोक्ताओं को अनावश्यक असुविधा झेलनी पड़ी।

एसजीआरए–कम–जिला नगर आयुक्त, नारनौल द्वारा भेजी गई 29 सितंबर, 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि लगभग 200 स्ट्रीट लाइटें खराब पाई गईं, परंतु नगरपालिका समिति मात्र 45 लाइटें ही खंभों से हटाकर मरम्मत हेतु भेज सकी। इनमें से 22 लाइटें ठीक कर पुनः स्थापित की गईं, जबकि 23 लाइटें एसपीडी (सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस) जलने तथा अन्य पुर्ज़ों की समस्या के कारण 29 सितंबर, 2025 तक लंबित रहीं। समिति द्वारा सप्लायर को बार-बार अनुपालन न करने पर भी किसी प्रकार का दंड न लगाया जाना अत्यंत गंभीर चूक मानी गई। सुनवाई के दौरान डीओ, एमई तथा नगर परिषद मानेसर में तैनात अधिकारी ने स्वीकार किया कि एजेंसी सामान्यतः सामूहिक (बल्क) रूप में मरम्मत करती है और 1–2 खराब लाइटों पर तुरंत कार्रवाई नहीं करती, जिसके कारण महेंद्रगढ़ क्षेत्र में भी देरी हुई। लिंक अधिकारी ने भी स्वीकार किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आरटीएस सेवा का पालन न करना स्पष्ट रूप से गंभीर प्रशासनिक त्रुटि है तथा यह भी संभव है कि अभी भी कुछ लाइटें खराब स्थिति में हों।

आयोग ने यह भी नोट किया कि शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने अपने 30 सितंबर, 2025 के उत्तर में स्पष्ट किया कि वारंटी शर्तों का प्रवर्तन तथा दंड लगाना नगरपालिका समिति की जिम्मेदारी थी, परंतु महेंद्रगढ़ नगरपालिका से किसी प्रकार का रिकॉर्ड, कार्रवाई या दंड संबंधी पत्राचार प्राप्त नहीं हुआ, जब तक कि आयोग ने स्वयं विवरण नहीं मांगा। सामग्री लागत, एसपीडी जलने और वारंटी दायित्वों को लागू न करने के कारण सप्लायर को महीनों तक आर्थिक लाभ मिलता रहा। यह भी स्थापित हुआ कि मरम्मत कार्य सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत नहीं, बल्कि आयोग के निरंतर हस्तक्षेप के बाद ही आगे बढ़ पाया।

उपलब्ध तथ्यों, स्वीकारोक्तियाँ तथा रिकॉर्ड पर प्रदर्शित विलंब को ध्यान में रखते हुए आयोग ने संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) के विरुद्ध 20,000 रुपये का दंड निर्धारित किया है, जिसे उनके वेतन में से काटकर राज्य कोष में जमा कराया जाएगा। एसजीआरए–कम–जिला नगर आयुक्त, महेंद्रगढ़ को निर्देश दिए गए हैं कि अनुपालन रिपोर्ट चालान प्रतियों सहित आयोग को भेजी जाए। साथ ही, अपील अवधि के दौरान प्रकरण जिन अधिकारियों के समक्ष लंबित रहा, उनके विरुद्ध आयोग ने इस चरण पर दंडात्मक कार्रवाई न करते हुए कड़ी चेतावनी जारी की है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उनके नाम इस प्रकरण के साथ अपने अभिलेख में दर्ज किए जा रहे हैं तथा भविष्य में किसी भी स्तर पर ऐसी लापरवाही पाए जाने पर अधिनियम की धारा 17(1)(द) के अंतर्गत विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। आयोग ने कहा है कि यह प्रकरण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि समयबद्ध कार्रवाई, लिखित आदेशों का पालन और वारंटी शर्तों का प्रभावी प्रवर्तन अनिवार्य है। आयोग ने सभी स्थानीय निकायों को चेतावनी देते हुए कहा है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोहराए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।